हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 42 | प्रयागराज, शनिवार 13 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

आदर्श चंपावत एवं आदर्श उत्तराखण्ड बनाने की दिशा में बढ़ा एक और कदमः मुख्यमंत्री

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को चम्पावत के गोरलचोड़ स्थित आडिटोरियम में स्मार्ट स्कूल–स्मार्ट ब्लॉक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में नये आयाम प्राप्त होंगे उन्होंने इसे चंपावत को आदर्श जनपद बनाने की दिशा में बढ़ाया कदम बताते हुए कहा कि यह आदर्श उत्तराखण्ड के लिये भी अच्छी पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ''सम्पर्क'' अर्थात ''जुड़ना'', समाज के वंचित और हाशिए पर रह रहे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना संपर्क फाउण्डेशन के उद्देश्य को सार्थक करता है। उन्होंने इसके लिये सम्पर्क फाउण्डेशन के प्रयासों को भी समाजहित में बताया। उन्होंने कहा कि आज का युग साइंस और टेक्नोलॉजी का है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी कहा करते हैं कि देश के विकास के लिए लोग साइंस और टेक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग करें। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के माध्यम से हम कार्यों को आसानी के साथ ही कम समय में अधिक काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा की विद्यालयों को संपर्क स्मार्ट डिवाइस दिए गए हैं जिससे बच्चे आसानी से, सरल भाषा में, आनंदमय तरीके से शिक्षा ले सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। दुनिया में अनेक देशों की अर्थव्यवस्था बिगड़ रही है, खराब हो रही है वहीं भारत की अर्थव्यवस्था इस विषम समय में भी 11 वें स्थान से 5 वें स्थान की अर्थव्यवस्था बन गई है। आने वाले समय में स्वतंत्रता की शताब्दी में भारत दुनिया का नेतृत्व करने वाला भारत बन जाएगा। किसी भी देश का सामाजिक एवं आर्थिक विकास उस देश के नौनिहाल व बच्चें है। उनकी शिक्षा किस प्रकार की हो, उसकी गुणवत्ता किस प्रकार की हो उस पर निर्भर करता है। यह सब कार्य शिक्षकों के जिम्मे है। पहला संस्कार माता–पिता देते हैं दूसरा शिक्षक गण देते हैं। उन्हें जीवन में शिक्षा देने, आगे बढ़ाने का कार्य शिक्षक करते हैं। चंपावत से निकलने वाले बच्चें विभिन्न क्षेत्रों में जाएंगे वहां जाकर अपने माता–पिता का नाम रोशन करने के साथ ही गांव, क्षेत्र, जिला, प्रदेश का नाम रोशन करेंगे, वहीं शिक्षकों का भी नाम रोशन करेंगे, जहां से उन्होंने शिक्षा ग्रहण की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा का चम्पावत में बनाये जा रहे कैंपस का शासनादेश जारी कर दिया गया है। साथ ही चम्पावत जिले के सभी विद्यालय भवनों का जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण सहित सभी में आवश्यक सुविधाए उपलब्ध करायी रही है, उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक आधुनिक शिक्षा पहुँचाने का कार्य संपर्क फाउण्डेशन, सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। राज्य के सरकारी स्कूलों में अभिनव और अपनी तरह का पहला अध्ययन कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए राज्य सरकार और संपर्क फाउंडेशन की यह साझेदारी शिक्षा की बेहतरी के लिये किया जा रहा प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार हो रहे हैं साथ ही अनेक चुनौतियां भी आई है। इन सभी चुनौतियों के मध्य नई शिक्षा नीति आई है। यह नीति स्कूली शिक्षा एवं उच्च शिक्षा को नए आयाम देने का कार्य करेगी। वही सभी वर्गों के लोगों के लिए समानता के अधिकार के तहत शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी। नई शिक्षा नीति के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं के अध्ययन छात्र छात्राओं को लाभ मिलेगा। उत्तराखंड प्रथम राज्य है जिसने नई शिक्षा नीति है जो उसे स्कूली शिक्षा में पूरी तरह से लागू किया गया है। संपर्क फाउंडेशन ने इस कार्य में जो स्मार्ट कक्षाओं की नींव रखी गई है उससे बच्चों को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर सम्पर्क फाउंडेशन के फाउंडर चेयरमैन, श्री विनीत नायर ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि शासकीय स्मार्ट स्कूल्स स्मार्ट ब्लॉक्स कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य में चंपावत जिले के चंपावत ब्लॉक में 137 स्कूलों के 274 शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर 5484 बच्चों के अधययन के परिणामों में सुधार लाना है। चंपावत ब्लॉक में 100 दिनों तक सफल क्रियान्वयन करने के बाद इस कार्यक्रम का विस्तार समयबद्ध तरीके से पौड़ी जिले के खिर्सु ब्लॉक में किया जाएगा। सम्पर्क की टीम शिक्षकों की क्षमताओं का विकास भी सुनिश्चित करेगी ताकि शिक्षण व्यवस्थित और आसान बन सके। उन्होंने बताया कि सम्पर्क फाउंडेशन अपने अभिनव अध्ययन के संसाधनों की संपूर्ण श्रृंखला को स्मार्ट स्कूल्स स्मार्ट ब्लॉक्स प्रोग्राम में ले कर आया है।

10वीं रिजल्टः 93.12 फीसदी छात्र पास, लड़कियां फिर आगे

नई दिल्ली। सीबीएसई बोर्ड ने 12 मई को दसवीं कक्षा का बोर्ड रिजल्ट घोषित कर दिया है। 10वीं की बोर्ड परीक्षा में कुल 93.12 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। गौरतलब है कि दसवीं बोर्ड परीक्षा, देश की सबसे बड़ी परीक्षाओं में से एक है। इस परीक्षा में 21 लाख 65 हजार 805 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 20 लाख 16 हजार 779 छात्र पास हुए हैं। इनमें से 2 प्रतिशत छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। दसवीं बोर्ड परीक्षा में पास होने वाले विद्यार्थियों में से 94.25 प्रतिशत लड़कियां हैं। लड़कियों से लगभग 2 प्रतिशत कम 92.27 फीसदी लड़के दसवीं बोर्ड परीक्षा में पास हुए हैं। वहीं यदि ट्रांसजेंडर छात्रों की बात की जाए तो 90 प्रतिशत ट्रांसजेंडर छात्र 10वीं सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। सीबीएसई बोर्ड के मुताबिक दसवीं कक्षा के रिजल्ट में भी त्रिवेंद्रम रीजन देश भर में अव्वल रहा है। त्रिवेंद्रम रीजन के 99.91 प्रतिशत छात्र 10वीं की बोर्ड परीक्षा में पास हुए हैं। दूसरे नंबर पर 99.18 प्रतिशत के साथ बेंगलुरु है। तीसरे स्थान पर 99.14 पास प्रतिशत के साथ चेन्नई है। इससे पहले 12 मई को ही सीबीएसई ने 12वीं का बोर्ड रिज्लट भी जारी किया। पूरे देश के औसत पास प्रतिशत की बात की जाए तो सीबीएसई ने बताया कि इस वर्ष 12वीं बोर्ड में कुल 87.33 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं। 12वीं बोर्ड में भी त्रिवेंद्रम रीजन देश भर में अव्वल रहा है। गौरतलब है कि देश भर में 16 लाख से अधिक छात्रों ने सीबीएसई 12वीं बोर्ड के लिए अपना पंजीकरण करवाया था। सीबीएसई बोर्ड के मुताबिक 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 1,95,799 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। यानी करीब 9 प्रतिशत छात्र ऐसे हैं जो कि 90 फीसदी से अधिक अंक हासिल करने में कामयाब रहे। वहीं करीब 2 प्रतिशत यानी कि 44,297 छात्र ऐसे हैं जिन्होंने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। वहीं चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड की श्रेणी में आने वाले 278 छात्रों ने 90 फीसदी से अधिक अंक हासिल किए हैं। वहीं इसी श्रेणी से आने वाले 58 छात्र ऐसे हैं, जिन्होंने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। इस श्रेणी में कुल 7154 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे इनमें से 6627 यानी कि 92.63 परसेंट छात्र दसवीं बोर्ड परीक्षा में पास हुए हैं। सीबीएसई बोर्ड के मुताबिक इस वर्ष 1 लाख 34 हजार 774 छात्रों ने कंपार्टमेंट की परीक्षा पास की है।

येदियुरप्पा से मिले बीएस बोम्मई, मुलाकात के बाद बोले सीएम, हमें मिलेगा पूर्ण बहुमत

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव की मतगणना से एक दिन पहले मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को स्पष्ट बहुमत मिलने का विश्वास व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि अन्य राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन के लिए बातचीत का सवाल ही नहीं उठता। बोम्मई ने आज पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के आवास पर पार्टी के नेताओं मुरुगेश निरानी, बैराथी बसवराज, लहर सिंह सिरोया और ए टी रामास्वामी सहित अन्य नेताओं से मुलाकात की। कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए बुधवार को हुए चुनाव में 73.19 प्रतिशत मतदान हुआ, जो राज्य में अब तक का सर्वाधिक मतदान है। ज्यादातर एग्जिट पोल में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के बीच कडी टक्कर होने का अनुमान जताया गया है। ज्यादातर एग्जिट पोल में कांग्रेस को सत्तारूढ भाजपा पर बढत हासिल होने का अनुमान जताया गया है, जबकि कुछेक में त्रिशंकु विधानसभा रहने का भी संकेत दिया गया है। बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा, ष्मेरा रुख एक जैसा और स्थिर रहा है कि हमें पूर्ण बहुमत मिलेगा। हमें सभी निर्वाचन क्षेत्रों और जिलों से अपनी जमीनी रिपोर्ट मिली है, कुछ जिलों में हमने बूथ–वार (आंकडे) एकत्र किए हैं और हमें पूरा विश्वास है कि बहुमत तक पहुंच जाएंगे। इन खबरों के बारे में पूछे जाने पर कि कांग्रेस ने अपने विधायकों को एकजुट रखने के लिए कथित तौर पर रिसॉर्ट बुक किए हैं, उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि उन्हें पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा और इसलिए वे दूसरे दलों के संपर्क में हैं और इस तरह की गतिविधियों में शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसका यह अर्थ भी है कि उन्हें अपने विधायकों पर भरोसा नहीं है। जद (एस) नेता एच डी कुमारस्वामी के कथित बयान कि वह ऐसी किसी पार्टी के साथ साझेदारी के लिए तैयार हैं, जो उनकी शर्तों को पूरा करने के लिए तैयार हो, इसपर मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने इसके बारे में नहीं सुना है। क्या उन्होंने आपको फोन किया और आपसे (संवाददाता से) फोन पर बात की?

कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों को बंगलुरु आने को कहा

बंगलुरु। कर्नाटक में बीजेपी के ऑपरेशन लोटस से कोई चांस न लेते हुए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों को बेंगलुरू पहुंचने और सरकार बनने तक एक खास जगह पर रहने का निर्देश दिया है। मतगणना के दिन (13 मई) से पहले यह एहतियाती कदम उठाया जा रहा है। एग्जिट पोल ने त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की है लेकिन भाजपा और कांग्रेस, दोनों दावा कर रहे हैं कि वे बहुमत हासिल कर लेंगे। सूत्रों के मुताबिक दोनों पार्टियां सत्ता हथियाने के लिए विधायकों की खरीद–फरोख्त कर सकती हैं। विधायकों की खरीद–फरोख्त में बीजेपी माहिर मानी जाती है। भाजपा की रणनीति का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस अपना दांव खेलने की तैयारी में है। कांग्रेस नेताओं ने करीबी मुकाबले की संभावना से इनकार नहीं करते हुए पार्टी उम्मीदवारों की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार, राज्य प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला और विपक्ष के नेता सिद्दारमैया ने गुरुवार रात सभी उम्मीदवारों के साथ वर्चुअल बैठक की और उनसे विस्तार से बात की कि कैसे वे ऑपरेशन लोटस का शिकार ना बन पाएं।

सचिन पायलट ने पेपर लीक मामला और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर अपनी ही सरकार से पूछा सवाल

जयपुर। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपनी जन संघर्ष यात्रा के दूसरे दिन पेपर लीक मामला और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर अपनी ही सरकार से सवाल पूछा। उन्होंने गहलोत खेमे द्वारा उन पर लगाए गए आरोपों पर पलटवार भी किया। अनुशासनहीनता के आरोपों पर बोलते हुए उन्होंने कहा, वसुंधरा राजे के शासन में भ्रष्टाचार की जांच का मामला उठाना अनुशासनहीनता कैसे हो गया? उन्होंने आगे गहलोत खेमे द्वारा लगाए जा रहे आरोप पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, जब मैंने अनशन किया था तो वह वसुंधरा राजे के कार्यकाल में सामने आए भ्रष्टाचार के खिलाफ था। मुझे समझ नहीं आता कि यह पार्टी के अनुशासन की धज्जियां उड़ाने का मामला कैसे बन गया? अनुशासन तोड़ने का काम 25 सितंबर को किया गया था, जब सोनिया गांधी का स्पष्ट आदेश था कि दोनों पर्यवेक्षक विधायक दल की बैठक करने आ रहे हैं। बैठक क्यों नहीं हो सकी? बाद में विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने बाद में अदालत में कहा कि इस्तीफे इसलिए खारिज करने पड़े क्योंकि विधायकों ने अपनी स्वतंत्र मर्जी से इस्तीफा नहीं दिया था। फिर वे किसकी इच्छा से दिए गए थे? कौन सा दबाव था? जहां तक अनुशासन की बात है, तो मानक सभी के लिए समान होने चाहिए। पायलट ने दूसरे दिन शुक्रवार सुबह आठ बजे अपनी यात्रा शुरू की। इसके बाद 11 बजे बिड़ला स्कूल, बंदर सिंदरी के पास विश्राम का समय निर्धारित किया गया। दूसरे दिन की यात्रा का दूसरा चरण बिरला स्कूल से शाम चार बजे शुरू होगा। इसके बाद शाम सात बजे गेजी मोड़, पड़सौली में विश्राम होगा। पायलट ने 2020 में बगावत की बात भी की और कहा, जब हम अपनी बात रखने के लिए दिल्ली गए, तो क्या हमारे किसी साथी ने इस्तीफा दिया? हमने कब पार्टी के खिलाफ बात की है? क्या हमने सोनिया गांधी के खिलाफ कुछ कहा है? 25 सितंबर को जो भी हुआ सबके सामने हुआ। पार्टी ने जो कहा हमने उसका सम्मान किया और पार्टी ने जो कहा उसे हमने स्वीकार किया। उन्होंने कहा, जब पार्टी ने मुझे दोनों पद छोड़ने के लिए कहा, तो मैं सहमत हो गया। हमारी मांगों पर गठित समिति किसी नेता ने नहीं बल्कि पार्टी ने बनाई थी। हमने हर चुनाव में प्रचार किया और भाजपा को हराया। हमने पार्टी के खिलाफ एक भी काम नहीं किया। हालांकि, 25 सितंबर को जो हुआ वह इतिहास में पहली बार हुआ है। कांग्रेस पार्टी के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि कांग्रेस अध्यक्ष के आदेश पर आए पर्यवेक्षकों का अपमान किया गया, फिर बैठक नहीं हुई और वे खाली हाथ लौट गए। फिर नोटिस भी जारी किए गए, लेकिन अब तक कुछ भी नहीं हुआ है। मुझे लगता है कि इस पर भी विचार किया जाना चाहिए।

आगामी 11 जून को कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर पायलट ने कहा, आप सभी को कयास लगाने की जरूरत नहीं है। मैं जो भी कहता हूं, सबके सामने करता हूं। मैं लुकाछिपी का खेल नहीं खेलता। मैंने जो भी कहा है, सबके सामने कहा है।

मैं दोहरे अर्थो वाली बात भी नहीं करता। मेरी मांग सामूहिक है, व्यक्तिगत नहीं। मुझे किसी पद की आकांक्षा नहीं है। पार्टी ने मुझे काफी हद तक बहुत कुछ दिया है। यहां तक कि मेरा कट्टर विरोधी भी मेरी वफादारी और ईमानदारी पर उंगली नहीं उठा सकते। हमें युवाओं की बात सुननी होगी। मैं युवाओं के लिए ऐसे लड़ रहा हूं जैसे पहले कभी नहीं लड़ा गया। गहलोत के नेतत्व में इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर पायलट ने कहा, ष्जब पार्टी सत्ता में होती है तो मुख्यमंत्री चेहरा होता है। उन्होंने कहा, पहले जब भाजपा सरकार में थी, वसुंधरा जी या अशोक परनामी (तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष) चेहरा थे, स्वाभाविक है कि वसुंधरा राजे चेहरा थीं। उन्होंने कहा, जब सत्ता में होते हैं मुख्यमंत्री और जब विपक्ष में होते हैं तो पार्टी अध्यक्ष नेतश्त्व करते हैं। पिछले 25 साल में जब भी कांग्रेस की सरकार रही, अगली बार हम हारे। मैंने आलाकमान द्वारा गठित समिति को मेरे सुझावों से अवगत करा दिया है। हम सब चाहते हैं कि सरकार फिर बने।

दिल्ली, महाराष्ट्र पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले 'ऐतिहासिक, भाजपा हर मोर्चे पर हारी : सिंघवी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने दिल्ली और महाराष्ट्र के मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों को ऐतिहासिक बताया और कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा राजनीतिक और नैतिक सहित कई मोर्चो पर हार गई है। यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी नेता अभिषेक मनु सिंघवी, जो क्रमशरू दिल्ली सरकार और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट दोनों मामलों में वकील थे, ने कहा रू आज हमारे पास सुप्रीम कोर्ट के दो बड़े फैसले हैं। ये ऐसे फैसले हैं, जिन्होंने भाजपा की अपवित्र, अलोकतांत्रिक और बदसूरत प्रकृति को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी मोर्चो पर दृ कानूनी, नैतिक, राजनीतिक रूप से हार गई है। दिल्ली सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए उन्होंने कहा रू विशेष रूप से दिल्ली के लोगों के लिए खास है। दिल्ली को अब नामित एलजी या एलजी नियंत्रित नौकरशाही द्वारा नहीं चलाया जाएगा, दिल्ली को लोकतंत्र के प्रतिनिधि द्वारा चलाया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा गुरुवार को सिविल सेवकों के तबादलों और पोस्टिंग पर प्रशासनिक नियंत्रण के संबंध में राज्य सरकार और केंद्र के बीच एक मामले में दिल्ली सरकार के पक्ष में फैसला सुनाए जाने के बाद आई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार का एनसीटी की विधायी शक्तियों के बाहर के क्षेत्रों को छोड़कर सेवाओं के प्रशासन में नौकरशाहों पर नियंत्रण होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि उपराज्यपाल भूमि, सार्वजनिक व्यवस्था और पुलिस से संबंधित मामलों को छोड़कर एनसीटी सरकार की सहायता और सलाह लेने से बंधे हैं। राज्यसभा सांसद सिंघवी ने महाराष्ट्र के मुद्दे पर कहा, महाराष्ट्र पर मुझे पता है कि आप मुझसे राहत के बारे में पूछेंगे, गेंद अब स्पीकर के पाले में है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण यह कि महाराष्ट्र मामले में सभी प्रासंगिक कानूनी निष्कर्ष याचिकाकर्ताओं के पक्ष में थे। उन्होंने कहा, और इसीलिए मैंने कहा कि कानूनी, नैतिक, नैतिक और राजनीतिक रूप से, उत्तरदाताओं को हार का सामना करना पड़ा है, भले ही यथास्थिति बहाल नहीं की गई। उन्होंने कहा कि शिंदे गुट के व्हिप को अवैध ठहराया गया, दूसरा उस अवैध व्हिप को स्पीकर द्वारा मान्यता देना ही अवैध था, और तीसरा स्पीकर द्वारा पूरे शिंदे गुट की मान्यता को अवैध ठहराया गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि फैसला कहता है कि स्पीकर को लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द फैसला करना चाहिए। उन्होंने कहा, यदि सदन अध्यक्ष देरी नहीं करते हैं, यदि अध्यक्ष लंबित अयोग्यता याचिकाओं का फैसला करते हैं, तो अयोग्यता के अलावा कोई अन्य परिणाम संभव नहीं है।

सच्ची धर्मनिरपेक्षता वही है, जहां जाति–धर्म के नाम पर न हो कोई भेदभाव, गुजरात में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार विभिन्न योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के दौरान लाभार्थियों का धर्म या जाति नहीं देखती है और सभी की खुशी व सहूलियत के लिए काम करने से बडा कोई सामाजिक न्याय नहीं है। यहां करीब 4,400 करोड रुपये की योजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के लिए महात्मा मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) महिला सशक्तीकरण का हथियार बन गया है क्योंकि इस योजना के तहत सरकार द्वारा गरीबों के लिए बनाए गए चार करोड आवासों में से 70 प्रतिशत महिलाओं को दिए गए हैं। मोदी ने गुजरात में पीएमएवाई के तहत बने 42,441 घरों के 'गृह प्रवेश, उद्घाटन व शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कहा, ''हम (सरकारी) योजनाओं की शत प्रतिशत परिपूर्णता का प्रयास कर रहे हैं। यही वजह से है कि सरकार खुद इन योजनाओं के साथ लाभार्थियों तक पहुंच रही है। सरकार के इस रुख से बडे पैमाने पर भ्रष्टाचार खत्म हुआ है। सरकार लाभार्थियों का धर्म या जाति नहीं देखती है। मोदी ने कहा, ''मेरा मानना है कि सच्ची धर्मनिरपेक्षता वहीं है जहां कोई (जाति, नस्ल या धर्म के आधार पर) भेदभाव नहीं है। जो लोग सामाजिक न्याय की बात करते हैं, मेरा मानना है कि सभी की खुशी और सुविधा, शत प्रतिशत उनके अधिकारों के लिए काम से बडा कोई सामाजिक न्याय नहीं हो सकता। हां, यह वह रास्ता है जिसपर हम चल रहे हैं। मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि गरीबों को पहले दुर्दशा और निराशा का सामना करना पडता था लेकिन उनकी सरकार उनके जीवन की कमियों को दूर करने का काम कर रही है क्योंकि जब गरीब को अपनी बुनियादी जरूरतों की चिंता कम होती है तो उसका आत्मविश्वास बढता है।

सम्पादकीय

मार्गदर्शक निष्कर्ष

गुरुवार को देश की शीर्ष अदालत ने जहां एक ओर महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे सरकार को गिराने के लिये चले राजनीतिक प्रपंच में राज्यपाल की भूमिका और शिंदे गुट की राजनीतिक तिकड़मों पर सवाल उठाये, वहीं एक फैसले में दिल्ली सरकार को अधिकार देकर दायित्वों के निर्वहन के लिये सक्षम बनाया है। यह विडंबना ही है कि जिन मुद्दों को लोकतांत्रिक मूल्यों व सर्वमान्य कायदों के आधार पर सुलझाया जा सकता है, उन्हें राजनीतिक जिद और अहंकार से इतना जटिल बना दिया जाता है कि उन पर अदालतों को निर्णय देने पड़ते हैं। जाहिर है देश के अन्य महत्वपूर्ण व जरूरी मुद्दों पर समय देने के बजाय अदालतों को टाले जा सकने वाले मुद्दों पर उलझना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को महाराष्ट्र में चले राजनीतिक ड्रामे के बाबत कहा कि उद्धव ठाकरे को फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा सकता। वजह है कि उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन साथ ही कहा कि जून 2022 में राज्यपाल द्वारा महाराष्ट्र विधानसभा में फ्लोर टेस्ट का आदेश नियमों के अनुरूप नहीं था। वहीं दूसरी ओर कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने वाली याचिका पर फैसला लेने को कहा है। दरअसल, विगत में मुख्यमंत्री रहते हुए उद्धव ठाकरे ने पार्टी व्हीप का उल्लंघन करने वाले 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की थी। कोर्ट का कहना था कि फ्लोर टेस्ट का प्रयोग किसी दल की आंतरिक कलह सुलझाने के लिये कदापि नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि यह स्थिति महाराष्ट्र में बीते साल जून में सोलह विधायकों के बागी होने की बाद पैदा हुई थी। कालांतर एकनाथ शिंदे ने भाजपा से मिलकर सरकार ही नहीं बनायी बल्कि चुनाव आयोग से पार्टी का हक व सिंबल भी ले लिया था। जिसके बाद उद्धव ठाकरे ने शीर्ष अदालत की शरण ली थी। मामले को कालांतर पांच सदस्यीय संविधान पीठ को सौंपा गया था। फिलहाल शीर्ष अदालत ने दोनों गुटों की दलीलें सुन ली हैं और फैसले पर शिंदे सरकार का भविष्य निर्भर करेगा। वहीं दिल्ली सरकार के अधिकारों को लेकर केजरीवाल सरकार व एलजी के बीच लंबे समय से चले आ रहे टकराव पर गुरुवार को शीर्ष अदालत ने मार्गदर्शक फैसला दिया है। अधिकारों को लेकर जारी कानूनी लड़ाई के बात शीर्ष अदालत ने फैसला दिया कि अधिकारियों की तैनाती और स्थानांतरण का हक दिल्ली सरकार का है।

जो अब तक दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर को ही था। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि भूमि, लोक व्यवस्था तथा पुलिस केंद्र सरकार के अधिकार के दायरे में रहेगी। निस्संदेह, यह फैसला वर्ष 2019 में आये विभाजित फैसले से इतर स्पष्ट व मार्गदर्शक है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि जनता द्वारा चुनी गई दिल्ली सरकार के प्रत्येक कार्यक्षेत्र में एलजी दखल नहीं दे सकते। अधिकारियों की तैनाती व तबादले का अधिकार जनता द्वारा चुनी सरकार के पास होना तार्किक ही है। दरअसल, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आरोप लगाते रहे हैं कि केंद्र सरकार द्वारा तैनात अधिकारी उन्हें काम नहीं करने दे रहे हैं क्योंकि उनकी नियुक्ति व तबादले का अधिकार उनकी सरकार के पास नहीं है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट का फैसला सिर्फ प्रशासनिक व्यवस्था के लिये ही नहीं बल्कि इसके राजनीतिक मायने भी हैं। निस्संदेह, इससे केजरीवाल सरकार का मनोबल बढ़ेगा। आप दलील देती रही है कि जो जनता हमें सरकार बनाने का जिम्मा सौंपती है, नौकरशाहों के जरिये उनके लिये काम करने का अधिकार भी हमें होना चाहिए। ऐसी विकट स्थिति में हम जनता के दरबार में फिर किस मुंह से जाते? यदि उनके कार्य न करा पाते। अब सचिवों के सरकार के अधीन होने से हम यह जिम्मेदारी पूरी कर सकेंगे। कोर्ट का मानना था कि किसी भी चुनी हुई सरकार को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का अधिकार होना चाहिए। दूसरे शब्दों में किसी भी सरकार में वास्तविक ताकत जनप्रतिनिधियों के ही हाथ में होनी चाहिए। जो संघीय ढांचे व लोकतांत्रिक मूल्यों के लिये भी जरूरी है।

कांग्रेस समझौते के मूड में नहीं है

कांग्रेस पार्टी विपक्षी गठबंधन बनाने के लिए तैयार है लेकिन वह अपने हितों से समझौते के लिए तैयार नहीं है। वह कुछ राज्यों में अपने हिसाब से राजनीति कर रही है और वहां के क्षत्रप नेताओं से समझौता करने के मूड में नहीं है। इसमें दो राज्यों– दिल्ली और तेलंगाना का नाम खासतौर से लिया जा सकता है। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस अकेले और आक्रामक राजनीति कर रही है, जो केंद्रीय संगठन की राजनीति से अलग है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जब सीबीआई का समन मिला तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने उनको फोन करके समर्थन जताया था लेकिन कांग्रेस के दूसरे नेता केजरीवाल पर लगातार हमला कर रहे हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय माकन ने उप राज्यपाल को चिट्ठी लिख कर कहा है कि केजरीवाल ने अपने बंगले की साज सज्जा पर 45 करोड़ नहीं, बल्कि 171 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। उप राज्यपाल ने इस चिट्ठी को जांच के लिए मुख्य सचिव के पास भेजा है। इसी तरह पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने फीडबैक यूनिट के जरिए नेताओं की जासूसी कराने के मामले में केजरीवाल के ऊपर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की है। दिल्ली की तरह ही तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी सत्तारूढ़ दल भारत राष्ट्र समिति के खिलाफ हमलावर है। कर्नाटक चुनाव के बीच प्रियंका गांधी वाड्रा ने तेलंगाना जाकर एक बड़ी रैली की, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार को जम कर निशाना बनाया।

दिल्ली सरकार के अधिकार

सर्वोच्च न्यायालय की पांच न्यायमूर्तियों की संवैधानिक पीठ ने आज राजधानी की सरकार के अधिकारों के बारे में जो ऐतिहासिक फैसला दिया है उससे दिल्ली के मतदाताओं में यह आस बंधनी लाजिमी है कि अब उनकी समस्याओं को हल करने को लेकर उच्च प्रशासनिक स्तर पर राजनीति नहीं होगी और दिल्ली के मुख्यमन्त्री व उपराज्यपाल के बीच चलने वाली 'लाग–डांट' बन्द होगी। मुख्य न्यायाधीश श्री वाई.वी. चन्द्रचूड़ ने पूरी पीठ के सर्वसम्मत फैसले को सुनाते हुए स्पष्ट आदेश दिया कि केवल तीन मामलों –पुलिस, कानून–व्यवस्था व जमीन को छोड़ कर शेष सभी प्रशासनिक व सेवा मामले सीधे दिल्ली सरकार के नियन्त्रण में इस प्रकार रहेंगे कि इनमें काम करने वाले सभी ऊपर से लेकर नीचे तक अफसर व कर्मचारी राजधानी की चुनी हुई सरकार के प्रति जवाबदेह होंगे, चाहे उनकी नियुक्ति की संस्था कोई हो। इसका मतलब यह हुआ कि दिल्ली में केवल तीन मामलों को छोड़ कर शेष सभी विभाग सीधे दिल्ली सरकार के अधीन काम करेंगे और मुख्यमन्त्री के नेतृत्व में बने मन्त्रिमंडल के सदस्यों के निर्देशों पर काम करेंगे। लोकतन्त्र में चुनावों के जरिये जो सरकार गठित की जाती है उसका मतलब भी यही होता है कि वह लोगों की सुख–सुविधाओं का ध्यान रखने की गरज से ऐसी नीतियों का निर्माण करेगी जिनसे उनकी समस्याएं सुलझे। यह काम सरकार कार्यपालिका अर्थात विभिन्न विभागों के अफसरों व कर्मचारियों की मार्फत ही करती है। अगर कार्यपालिका के इस अमले को यह पता हो कि जो सरकार विधानसभा में बैठकर नीतियां बनाती है और उन पर अमल करने के लिए उनसे कहती है मगर वह उन्हें जवाब तलब नहीं कर सकती तो वे उसकी बात क्यों सुनेंगे? लोकतान्त्रिक व्यवस्था में प्रशासन की अंतिम जिम्मेदारी उस विभाग के प्रभारी की ही होती है क्योंकि तत्संबंधी पूरा प्रशासन उसके अधीन ही काम करता है परन्तु दिल्ली के मामले में गजब की व्यवस्था थी कि फैसले तो दिल्ली सरकार लेगी मगर प्रशासनिक मामले में राज्यपाल के निर्देशों का ताबेदार होगा। दिल्ली सरकार इस व्यवस्था के खिलाफ पिछले आठ साल से लड़ रही थी और अदालतों के दरवाजे खटखटा रही थी। दरअसल 22 मई 2015 को केन्द्र सरकार ने एक अधिसूचना जारी करके निर्देश दिये थे कि दिल्ली का प्रशासन उपराज्यपाल के अधीन काम करेगा। इससे दिल्ली में अजीब कशमकश की स्थिति पैदा हो गई। दिल्ली सरकार विधानसभा में अपना बहुमत होने की वजह से दिल्ली की व्यवस्था के बारे में कोई भी फैसला कर सकती थी और बजट भी पारित करा सकती थी मगर उसे लागू करने वाली कार्यपालिका उपराज्यपाल के आदेश के बिना अपनी कुर्सी से नहीं हिलती थी। इसकी शिकायत लेकर मुख्यमन्त्री उपराज्यपाल के दफ्तर की दौड़ लगाते रहते थे और कभी–कभी बात धरना–प्रदर्शन तक की आ जाती थी। इससे जनता में यह सन्देश जाता था कि उन्होंने अपना वोट देकर जो सरकार राजधानी में गठित की है वह उपराज्यपाल से अपने फैसलों को लागू कराने के लिए ही उलझती रहती है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस अन्तर्विरोधी स्थिति को न पनपने देने की गरज से भी महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है और साफ कहा है कि उपराज्यपाल दिल्ली सरकार या मन्त्रिमंडल की सलाह से ही बंधे रहेंगे और वही फैसला करेंगे जो जिसकी सिफारिश सरकार करेगी। बेशक दिल्ली एक पूर्ण राज्य नहीं हैं और केन्द्र में नरसिम्हा राव सरकार के रहते संसद में विशेष कानून बना कर इसे ऐसा केन्द्र प्रशासित राज्य बनाया गया जिसमें विधानसभा भी होगी। इसके साथ ही सरकार के अधिकार भी निर्धारित किये गये मगर पुलिस, जमीन, कानून–व्यवस्था (पब्लिक आर्डर) को छोड़ कर सामान्य प्रशासन की जिम्मेदारी इसे दी गई और इसकी विधानसभा को राज्य सूची में शामिल कानूनों को बनाने की जिम्मेदारी भी दी गई। साथ ही कुछ विशेषाधिकार केन्द्र सरकार को दिये गये परन्तु मुख्यमन्त्री श्री केजरीवाल के अनुसार मई 2015 में केन्द्र ने एक अधिसूचना जारी करके उनकी स्थिति उस तैराक की तरह बना दी जिसके दोनों हाथ पीछे बांध कर उसे नदी में तैरने के लिए छोड़ दिया गया हो। हालांकि 2019 में न्यायालय ने फैसला दिया था कि प्रशासन पर उपराज्यपाल का ही अधिकार रहना चाहिए मगर सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने इस फैसले को उचित नहीं माना और अपना नया फैसला दिया। दिल्ली के सामान्य मतदाता के मन में यह सवाल उठता रहता था कि जब उसके द्वारा चुनी गई सरकार के पास कोई अधिकार ही नहीं है तो फिर उसके मत देने का क्या मतलब है? लोकतन्त्र में मतदाता के मन में इस विचार का जन्म लेना ही पूरी व्यवस्था की सार्थकता पर सवालिया निशान जड़ने के समान देखा जाता है। अतः सर्वोच्च न्यायालय का फैसला समग्र रूप से लोकतन्त्र को मजबूत करने की निगाह से भी देखा जा रहा है। इस फैसले को केवल इकतरफा भी नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि इसके आने के बाद दिल्ली की सरकार की जवाबदेही में भी बढ़ौतरी होगी और उसे दिल्ली के प्रशासन में चुस्ती–फुर्ती लाते हुए उसे आम जनता के प्रति सीधे जिम्मेदार बनाना होगा। **–आदित्य नारायण**

वेद, उपनिषद और भारतीय धार्मिक ग्रंथों का ज्ञान मानव धर्मार्थ के द्वार खोलता है

वेद तथा सनातनी ग्रंथों से मानव जीवन परिष्कृत होता है और सदाचार तथा वैदिक धर्म का ज्ञान मानव धर्मार्थ की खोज में एक यज्ञ की तरह है।

भारतीय ऋग्वेद अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी।

गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण हैस व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवशत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें

सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन हैस हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता है। पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो,जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत होस इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है। पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है। पर चिरस्थाई तथा आत्मिक संतोष के लिए उसमें श्रम तथा सार्थकता का समावेश होना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर वह समाज के लिए एक आदर्श तथा उपयोगी मार्गदर्शक बन सकता है। इसलिए जीवन में केवल सफलता के पीछे ना जाकर श्रम, मेहनत और सार्थकता अत्यंत आवश्यक पहलू हैं। **–संजीव ठाकुर**

आज का राशिफल

मेष :– नये कार्य की तलाश जारी रहेगी। स्वास्थ्य व परिवार दोनों को लेकर मन परेशान होगा। दूसरों में कमियां निकालने के बजाय स्वयं को सुधारें। नई आशंकाएं मन को परेशान कर सकती हैं।

बृषभ :– नयी योजनाओं को अंजाम देने के लिए उच्च मनोबल के साथ तत्पर होंगे। अपनी भावुकता पर नियंतण्रखें, अन्यथा भावनात्मक शोषण के शिकार हो सकते हैं। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

मिथुन :– रोजगार में लाभ के नये अवसर मिलेंगे। कोई इच्छित कार्य की पूर्ति अपेक्षित है। राजकीय कर्मचारियों के लिए नौकरी का वातावरण सुखद होगा। समाजिक मान–सम्मान व वर्चस्व में वशद्धि होगी।

कर्क :– सगे–संबंधियों में बड़प्पन व त्याग के परिचायक बनें। नये कायरें में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक हो सकता है। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। रचनात्मक व सामाजिक कायरें में रुचि बढ़ेगी।

सिंह :– शासन–सत्ता का लाभ प्राप्त होगा। पूर्वाग्रहवश दूसरों की आलोचना करना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य के परिणाम के प्रति जिज्ञासा प्रबल होगी। घर में खुशहाली रहेगी।

कन्या :– हर क्षेत्र में अडचन व संघर्ष से मन परेशान होगा। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। नेतश्त्व की अदभुत क्षमता व कुशल नियोजन से रचनात्मक कायरे को कुशलता से पूर्ण करेंगे।

तुला :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। आर्थिक प्रगति के लिए मन में नई युक्तियां आएंगी।

वृश्चिक :– भौतिक आकांक्षाएं मन प्रभावी होंगी। नई रुचि नये व्यक्तित्व के निर्माण में सहायक होगी। घर में कुछ नये दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

धनु :– संबंधों में छोटी–छोटी बातों का बुरा न माने। कसी महत्वपूर्ण दायित्व की सुव्यवस्थित पूर्ति के चिंतित होंगे। अपनी क्रियाशीलता बढ़ा प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। संतान संबंधी दायित्व की पूर्ति होगी।

मकर :– उच्च महत्वाकांक्षा जल्द ऊंची प्रगति के लिए आपको प्रेरित करेगी। आकस्मिक कोई यात्रा की योजना बन सकती है। कुछ सुंदर भावनाएं मन पर प्रभावी होंगी किंतु अत्याधिक अपेक्षाएं कष्ट देंगी।

कुंभ:– अत्याधिक व्यस्तता व परिश्रम से मन में नीरसता संभव। नये आर्थिक प्रगति के लिए मन परेशान होगा। कार्यक्षेत्र में समुचित उर्जा की अनुभूति होगी। भौतिक आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

मीन:– अपने कद व गरिमा के अनुकूल व्यावहारिक जीवन में चलने का प्रयत्न करें। राजनीतिक सक्रियता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों की मधुरता बढ़ेगी। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

राज्यपाल की भूमिका पर विचार का वक्त

गुरुवार को देश की सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली और महाराष्ट्र की सरकारों को लेकर दो अहम फैसले सुनाए। दोनों मामले अलग–अलग प्रकृति के हैं, लेकिन शीर्ष अदालत के आदेश में लोकतंत्र और संवैधानिक प्रक्रिया की रक्षा की फिक्र झलकती है,साथ ही केंद्र पर काबिज भाजपा नीयत पर सवाल भी खड़े करती है। दिल्ली में निर्वाचित आम आदमी पार्टी की सरकार और उपराज्यपाल के बीच इस बात का विवाद था कि प्रशासनिक सेवाएं किसके नियंत्रण में रहेंगी। 2019 से यह मामला चल रहा था, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने कहा है कि केंद्र द्वारा सभी विधायी शक्तियों को अपने हाथ में लेने से संघीय प्रणाली समाप्त हो जाती है। अगर चुनी हुई सरकार अधिकारियों को नियंत्रित नहीं कर सकती तो वो लोगों के लिए सामूहिक दायित्व का निर्वाह कैसे करेगी? अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिंग पर दिल्ली सरकार का अधिकार है। चुनी हुई सरकार में उसी के पास प्रशासनिक व्यवस्था होनी चाहिए। इस आदेश और टिप्पणी से दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच शक्ति संतुलन कायम कर दिया गया है। इससे भावी उलझनों को टाला जा सकेगा। अदालत का दूसरा अहम फैसला महाराष्ट्र को लेकर आया है, जिसके मुताबिक उद्धव ठाकरे को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में बहाल नहीं

किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने फ्लोर टेस्ट का सामना किए बिना स्वेच्छा से पद से इस्तीफा दे दिया था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अपना पद और अपनी सरकार बनाए रखने का मौका मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे की सरकार को बहाल करने के अनुरोध को भी खारिज कर दिया क्योंकि ठाकरे ने विधानसभा में शक्ति परीक्षण का सामना करने के बजाय इस्तीफा देना चुना था। लेकिन अदालत ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का फ्लोर टेस्ट के लिए बुलाने का फैसला, जिसने अंततरू उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार को गिरा दिया, कानून के अनुसार नहीं था।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के गठबंधन की महाविकास अघाड़ी सरकार थी, जिसमें उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थी। लेकिन पिछले साल 21 जून को शिवसेना में 16 विधायकों ने बगावत कर दी थी, एकनाथ शिंदे इस बगावत के नेता थे। 24 जून को शिव सेना ने इन 16 विधायकों की सदस्यता रद्द करने की मांग विधानसभा के तत्कालीन उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल से की थी। इन 16 विधायकों को नोटिस भेजा गया, लेकिन फिर उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद एकनाथ शिंदे के गुट ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। भाजपा के साथ सरकार बनाने से पहले बागी विधायकों को असम से लेकर गोवा तक खूब इधर–उधर घुमाया गया। जाहिर है सत्ता में आने के लिए सारी तिकड़में भिड़ाई गईं और इसमें तत्कालीन राज्यपाल की अहम भूमिका रही, जिन्होंने वास्तव में संवैधानिक दायित्वों की उपेक्षा करते हुए भाजपा के एजेंट की तरह काम किया। अदालत ने इस पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने तत्कालीन राज्यपाल कोश्यारी को शिंदे गुट की मदद करने वाले फैसले लेने के लिए कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उन्होंने यह निष्कर्ष निकालने में श्गलतीश्च की थी कि उद्धव ठाकरे ने विधायकों के बहुमत का समर्थन खो दिया था। अदालत ने कहा कि राज्यपाल द्वारा विवेक का प्रयोग संविधान के अनुरूप नहीं था। अगर स्पीकर और सरकार अविश्वास प्रस्ताव को दरकिनार करते हैं, तो राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के बिना फ्लोर टेस्ट के लिए बुलाना उचित होता। अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात और भी कही कि न तो संविधान और न ही कानून राज्यपाल को राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने और अंतर–पार्टी या अंतर–पार्टी विवादों में भूमिका निभाने का अधिकार देता है। राज्यपाल ने जिन पत्रों पर भरोसा किया उनमें ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह संकेत मिले कि असंतुष्ट विधायक सरकार से समर्थन वापस लेना चाहते हैं। सर्वोच्च अदालत की यह टिप्पणी से भाजपा और तत्कालीन राज्यपाल कोश्यारी सवालों के दायरे में आते हैं। श्री कोश्यारी तो शिवाजी महाराज पर टिप्पणी से उठे विवाद के बाद राज्यपाल पद से इस्तीफा दे चुके हैं, वे इस पर क्या कहेंगे, यह पता नहीं। लेकिन हैरानी यह देखकर होती है कि अदालत से आए इस फैसले को भाजपा अपनी बड़ी जीत बता रही है। सिर्फ इसलिए क्योंकि उसकी सरकार बच गई है और अदालत ने मुख्यमंत्री शिंदे को अयोग्य नहीं ठहराया, उनसे उनका पद नहीं छीना। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस आदेश पर कहा कि यह लोकतंत्र और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जीत है। हम सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले से संतुष्ट हैं। वहीं शिंदे गुट के नेता राहुल रमेश शिवालय ने कहा कि महाराष्ट्र में शिंदे सरकार को यह बड़ी राहत है। अब प्रदेश को स्थिर सरकार मिलेगी। इन टिप्पणियों से साफ है कि भाजपा और शिंदे गुट को गलत तरीके से सत्ता हथियाने पर कोई पछतावा नहीं है। उन्हें बस सत्ता चाहिए और अदालत के आदेश से फिलहाल वो सुरक्षित हैं। उद्धव ठाकरे और उनके दल के बाकी लोग इस फैसले से निराश हो सकते हैं कि बात उनके हक में नहीं रही। उद्धव ठाकरे अगर इस्तीफा नहीं देते, तो शायद बाजी पलट सकती थी। लेकिन अब कम से कम भाजपा का असली चेहरा उजागर हो गया कि किस तरह संवैधानिक पदों का दुरुपयोग वह सत्ता के लिए कर रही है। देश में जितने गैरभाजपा शासित राज्य हैं, वहां राज्यपाल और निर्वाचित सरकारों के बीच अक्सर टकराव की खबरें आती रहती हैं, जिससे संविधान का अनादर होता है। अब वक्त आ गया है कि देश के सभी राजनीतिक दल इस बात पर मंथन करें कि आईंदा कोई राज्यपाल केंद्र के एजेंट के तौर पर काम न करे। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनादेश का सम्मान हर हाल में हो।

जंतर-मंतर का अखाड़ा

भाजपा नेतृत्व ने अगर बिल्कुल अल्पकालिक नजरिया अपना रखा हो, तो बात दीगर है। वरना, अगर पार्टी के अंदर किसी को अपने दीर्घकालिक भविष्य की चिंता है, तो उसे जंतर–मंतर से उठ रही आवाजों पर अवश्य ध्याना देना चाहिए। पहलवानी के अंतरराष्ट्रीय अखाड़ों में भारत का नाम रोशन कर चुके पहलवानों को नई दिल्ली के जंतर–मंतर पर अखाड़ा लगाना पड़ा, क्योंकि उनकी एक साधारण–सी मांग आज के सत्ता प्रतिष्ठान को मंजूर नहीं है। लेकिन देखते–देखते अब यह सिर्फ उनका अखाड़ा नहीं रह गया है। इस पर सत्ता पक्ष की तरफ से शिकायत जताई जा रही है कि पहलवानों के मुद्दे को अब सियासी रंग दिया जा रहा है। लेकिन यहां ये बात ध्यान में रखनी चाहिए कि भारतीय कुश्ती परिसंघ के प्रमुख बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीडन का आरोप लगाते हुए जब पहली बार पहलवान जंतर–मंतर पर आए थे, तब उन्होंने वहां पहुंचने वाले राजनेताओं को अपने मंच पर बिल्कुल जगह नहीं दी थी। लेकिन जब तीन महीने तक गैर–राजनीतिक ढंग से अपनी मुहिम चलाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्याय भावना पर भरोसा रखने के बावजूद उन्हें हताशा हाथ लगी, तो उसके लिए जिम्मेदार कौन है? बहरहाल, अब जंतर–मंतर सिर्फ विपक्षी राजनेताओं का ही नहीं, बल्कि किसानों और खाप पंचायत समेत तमाम तरह के सामाजिक संगठनों की गोलबंदी का भी केंद्र बन गया है। रविवार को खाप पंचायतों और किसान संगठनों ने संघर्ष में अपनी ताकत झोंकने का इरादा जता दिया। इससे यह साफ संकेत मिला है कि जिस तरह 2020 में शुरू हुआ किसान आंदोलन लंबा चला था, अब यह संघर्ष भी लंबा चलेगा। भारतीय जनता पार्टी को संभवतरू यह भरोसा है कि इससे उसके समर्थक तबकों पर कोई फर्क नहीं पड़ता, बल्कि जाट बनाम राजपूत का टकराव पैदा का लाभ उसे देश के कुछ इलाकों में मिलेगा और साथ ही हरियाणा में जाट बनाम गैर–जाट का उसका समीकरण पुख्ता होगा, मगर यह संघर्ष देश के एक बड़े हिस्से में उबलती रही जन–भावनाओं की एक और अभिव्यक्ति का मौका भी बन रहा है। इस मामले में भाजपा पर एक ष्ठुराचारीष्ठ को बचाने के इल्जाम लग रहे हैं। किसी भी सियासी ताकत की राजनीतिक पूंजी इसी तरह धीरे–धीरे चूकती है। भाजपा नेतृत्व ने अगर बिल्कुल अल्पकालिक नजरिया अपना रखा है, तो उसे यह बात समझ में नहीं आएगी। लेकिन पार्टी के अंदर किसी को भी अपने दीर्घकालिक भविष्य की चिंता हो, तो उसे जंतर–मंतर से उठ रही आवाजों पर अवश्य ध्यान देना चाहिए।

मुख्यमंत्री व उनके मंत्री स्वच्छ प्रशासन का प्रमाणपत्र स्वयं ही बना रहे हैं–राय

रालोद ने बिगड़ती कानून व्यवस्था पर उठायें गम्भीर सवाल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की राजधानी में सरकार की नाक के नीचे प्रतिदिन चौन स्नैचिंग और लूट जैसी आपराधिक घटनाएं हो रही हैं और प्रदेश के मुख्यमंत्री अच्छी कानून व्यवस्था का राग अलापते नहीं थक रहे हैं। मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर के गोरहडीह गांव में अपहरणकर्ताओं ने 4 लाख की फिरौती के लिए 10 वर्षीय मासूम बच्चे का अपहरण कर लिया और फिरौती न मिलने पर बच्चे के हाथ पैर बांधकर तथा मुंह में कपड़ा ठूंस कर नदी के किनारे फेंक दिया जिसकी मेडिकल कॉलेज में मृत्यु हो गयी। रालोद प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की विधानसभा सचिवालय और मुख्यमंत्री आवास से 2 किमी की दूरी पर कैण्ट स्थित निलमथा में सुनील नामक युवक को जिंदा जलाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश की राजधानी और मुख्यमंत्री के गृह जनपद में कानून व्यवस्था का यह हाल है तो प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों में आम जनता कितना उत्पीड़न झेलती होगी इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी मंत्रीगण एक महीने से प्रदेश में अच्छी कानून व्यवस्था का ढोल पीटने में व्यस्त हैं और अपने स्वच्छ प्रशासन का प्रमाणपत्र स्वयं ही बना रहे हैं जोकि हास्यास्पद है। रालोद प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस सरकार में जगह–जगह नफरत के बीज बोए जा रहे हैं भाई को भाई से अलग किया जा रहा है। विभिन्न धर्मों के बीच में खाई पैदा की जा रही हैं जो सर्वथा निंदनीय है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष संविधान वाला देश है जहां अपने धर्म के साथ–साथ सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है। प्रदेश में बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था का मुख्य कारण प्रदेश सरकार का धर्मनिरपेक्षता के विरुद्ध आचरण है। रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह आपसी भाईचारे के महत्व को जन–जन में समझाने की दृष्टि से ही समरसता अभियान चला रहे हैं। रालोद के सभी पदाधिकारियों ने संकल्प कर रखा है कि सरकार की नफरत फैलाने की नीति का हर स्तर पर विरोध किया जायेगा और समाज में भाईचारा स्थापित किया जायेगा।

फ्लाई ओवर बनने से सड़क दुर्घटनाओं में लगेगी लगामः आरपी सिंह

कमलापुर (सीतापुर)। सड़क दुर्घटनाओं से प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है। हजारों घर तबाह हो जाते हैं। शासन प्रशासन इन दुर्घटनाओं को रोकने का हर संभव प्रयास करती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश महासचिव आरपी सिंह चौहान ने गुरुवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण पश्चिमी क्षेत्र के क्षेत्रीय अधिकारी को एक पत्र सौंपा है। पत्र में पूर्व महासचिव ने मांग की है कि जनपद सीतापुर के राष्ट्रीय राजमार्ग– 24 पर स्थित सिधौली और कमलापुर कस्बे में फ्लाई ओवर या ओवर ब्रिज न होने के कारण आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से काफी जान माल की हानि होती है। आए दिन लोग काल के गाल में समा जाते हैं तथा डिवाइडर की ऊंचाई का कम होना भी सड़क दुर्घटना का एक कारण है। कमलापुर और सिधौली कस्बों में जनहित में फ्लाई ओवर या ओवर ब्रिज तथा डिवाइडर की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की है। जब दिए गए पत्र की मांग के संबंध में रालोद के पूर्व महासचिव आरपी सिंह चौहान के मोबाइल नंबर पर जानकारी प्राप्त की गई तो उन्होंने बताया कि अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया है।

आंख के कैंसर वाले 250 मरीजों को दिलाया निजातःडॉ.गुप्ता

केजीएमयू के नेत्र रोग विभाग में मना रेटिनोब्लास्टोमा सप्ताह दिवस,किया जागरुक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । केजीएमयू के नेत्र रोग विभाग में शुक्रवार को लोगों को जागरूक करने के लिए कुलपति ले. ज.डॉ.विपिन पुरी के दिशा निर्देशन में रेटिनोब्लास्टोमा सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें नेत्र रोग विभागाध्यक्ष प्रो.अपजीत कौर ने रेटिनोब्लस्टोमा (आँख का कैंसर) के मरीजों में इलाज के उपरांत पुनर्वास का क्या महत्व है के बारे विस्तृत जानकारी साझा की। वहीं डॉक्टर संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि संस्थान कैंसर के क्षेत्र में पिछले दो दशकों से अग्रणी भागीदारी पेश की है और लगभग 250 रेटिनोब्लास्टोमा से ज्यादा बच्चों को आँख के कैंसर रोग से निजात दिला चुका है। उन्होंने बताया कि रेटिनोब्लास्टोमा पांच साल से कम उम्र के बच्चों के आंख के पर्दे में होने वाला कैंसर को कहते है। उन्होंने कहा कि इसकी पहचान जल्दी होने से इलाज में सफलता निश्चित रूप से मिलती है। इसी क्रम में बाल रोग विभाग के डॉ निशांत वर्मा ने बताया कि कैंसर के शुरूआती लक्षणों में पांच साल से छोटे बच्चों में यदि आंख में भैंगापन हो या आंख की पुतली में सफेद चमक दिखाई दे तो यह रेटिनोब्लास्टोमा के शुरूआती लक्षण हो सकते है। ऐसी स्थिति में नेत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना बेहद जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि कैंसर की बीमारी बढ़ जाने पर रोगी की जान जाने की अत्यधिक संभावना होती है। इन लक्षणों से साधारण जनमानस को जागरूक करने के उदेश्य से रेटिनोब्लास्टोमा सप्ताह मई के दूसरे सप्ताह में मनाया जाता है। इसके लिए जारी उत्तर प्रदेश कैंसर हेल्प लाइन नम्बर 09811284406 पर संपर्क कर परामर्श ले सकते है। वहीं प्रौस्थोडॉन्टिक्स विभाग के डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि इलाज के उपरांत कैंसर खत्म होने के बाद आंख में विकृति होने पर कृतिम आंख से सुधारा जाता है। यह कृतिम आंख केजीएमयू में कैंसर पीड़ित रोगियों को उत्कृष्ट आँख की सुविधा निशुल्क प्रदान की जाती है। इसमें रोगियों की माप एवं कृतिम आंख की जांच के लिए मात्र तीन बार ही आना पड़ता है। कार्यक्रम में सीएमएस डॉ. एसएन शंखवार, प्रो.अपजीत कौर,डॉ. रघुवर दयाल सिंह, डॉ निशांत वर्मा ,डॉक्टर संजीव कुमार गुप्ता, डॉ कीर्ती श्रीवास्तव, डॉ. रजत मोहन श्रीवास्तव, नेत्र रोग विभाग के संकाय सदस्य ,रेजीडेंट डॉक्टर,कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरे

रिजर्व पुलिस लाइन परेड ग्राउंड पर की गई शुक्रवार की परेड

हरदोई। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी द्वारा शुक्रवार की परेड रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड पर कराते हुये परेड की सलामी ली गई। एसपी राजेश द्विवेदी ने रिजर्व पुलिस लाइन परेड ग्राउंड पर सलामी ग्रहण करने के उपरांत पुलिस बल की दौड़ कराई एवं टोली वार परेड ड्रिल का निरीक्षण करते हुए परेड ड्रिल के संबंध में जानकारी दी गई तथा यूपी 112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर संबंधित को पीआरवी के मानक के अनुसार समस्त आवश्यक उपकरणों को अपने पास रखने व उनके सुव्यवस्थित रखरखाव हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त समस्त थानों पर भी शुक्रवार की परेड करायी गयी। शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिस कर्मियों से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल भी करवाया गया । इसके पश्चात क्वार्टर गार्ड,शस्त्रागार,जीडी कार्यालय,पुलिस लाइन भवन व लाइन में स्थित मेस में जाकर खाने की गुणवत्ता को परखा व मेस की साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखने हेतु मेस प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए ।इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन विकास जायसवाल,क्षेत्राधिकारी नगर विनोद द्विवेदी,क्षेत्राधिकारी बिलग्राम प्रतिसार निरीक्षक ,प्रभारी डायल 112 व पुलिस लाइन के अन्य अधिध्कर्मगण मौजूद रहे।

नहर किनारे पड़ी मिली भारी मात्रा में दवाएं मचा हड़कंप

बछरावां,रायबरेली। बांदा–बहराइच हाईवे पर शारदा नहर किनारे भारी मात्रा में एलोपैथिक दवाएं पडी मिली । सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पहुंचकर निरीक्षण किया है। और दवाओं के सैंपल लिए हैं। गुरुवार दोपहर नहर किनारे भारी मात्रा में एलोपैथिक टेबलेट , सिरप व इंजेक्शन पड़े होने की सूचना से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया । मौके पर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निरीक्षण किया है । निरीक्षण में दवाएं एक्सपायर मिली है । वही इन दवाओं का संबंध सरकारी दवाओ से नहीं मिला । यह दवाई प्राइवेट कंपनियों की जांच में पाई गई है । डॉ प्रभात मिश्रा ने बताया कि मौके पर पहुंचकर जांच की गई है । दवाई सरकारी नहीं है । अधिकांश मात्रा में आयरन के सिरप और टेबलेट मिली है । सैंपल लिए गए हैं । साथ ही दवाएं एक्सपायर रही हैं ।ज्ञात हो कि विभागीय नियमों के अनुसार जिन दवाओं की वैधता तिथि समाप्त हो जाती है उन्हें नष्ट कर दिया जाता है परंतु इस नियम के विपरीत इस तरह दबावों का खुलेआम भारी मात्रा में फेका जाना स्वास्थ्य के प्रति जनजीवन के लिए खिलवाड़ है।

मासूम बच्चें ने दुकान में रखा केमिकल फेंका चार बच्चें झुलसे

रायबरेली। विद्यालय से छुट्टी होने के बाद वापस अपने घर जा रहे चार स्कूली बच्चों पर एक सर्राफा दुकान पर बैठे व्यवसाई के मासूम ने भूलवश केमिकल फेंक दिया। जिससे चारों बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला मिल एरिया थाना क्षेत्र के गौरीगंज हरदासपुर का है। इस बाजार में एक सर्राफा दुकान के व्यापारी का पांच साल का बेटा दुकान पर बैठा हुआ था। जहां पर आभूषण साफ करने का केमिकल रखा था। मासूम बच्चे ने भूलवश उस केमिकल को उठाकर दुकान से बाहर फेंक दिया। उसी समय विद्यालय बंद होने के कारण कुछ बच्चे वापस अपने घर जा रहे थे। मासूम द्वारा फेंका गया केमिकल इन बच्चों के ऊपर गिरा। जिससे स्कूली बच्चे हसन अली, तबस्सुम, आरिफ, हुसैन झुलस गए और मौके पर गिरकर तड़पने लगे। आसपास के लोगों ने पहुंचकर बच्चों को उठाया और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। घायल बच्चों में दो हसन अली और तबस्सुम की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्षेत्राधिकारी वंदना सिंह ने बताया कि यह घटना भूल बस हुई है। दो बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं।

यूपी में चोरी के शक में रेस्टोरेंट मालिक ने युवक को लगाई आग

लखनऊ। एक चौंकाने वाली घटना में, रेस्तरां मालिक ने चोरी का संदेह होने पर पहले एक युवक की पिटाई की और फिर उसे आग लगा दी। पीड़ित की पहचान इलाके के नीलमठ के सुनील राजपूत के रूप में हुई। वह गंभीर रूप से झुलस गया है और उसे हजरतगंज के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिवार का आरोप है कि रेस्टोरेंट से पैसे चोरी होने के शक में उसे प्रताड़ित किया गया। उसके परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि बहराइच के रेस्टोरेंट मालिक बादशाह खान अपने सहयोगियों के साथ उसके घर पहुंचे और सुनील को उठा लिया। पुलिस ने बताया कि,बादशाह और उसके आदमी उसे उठाकर अपने रेस्टारेंट में ले गए, जहां खान ने सुनील पर पैसे चुराने का आरोप लगाया और उसे डंडे से पीटना शुरू कर दिया। उसे अपना अपराध कबूल करने के लिए मजबूर किया। पीड़िता की बहन प्रीति ने कहा, बदमाश ने उसके शरीर के निचले हिस्से में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। चिल्लाने पर आसपास के लोग घटनास्थल पर इकट्ठे हो गए और सुनील को बचाया, जो तब तक गंभीर रूप से जल चुका था। डीसीपी (ईस्ट जोन) हिरदेश कुमार ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

यूपी में प्रिंसिपल पर दूसरी कक्षा के छात्र को प्रताड़ित करने का मामला दर्ज

लखनऊ । ठाकुरगंज के एक निजी स्कूल के प्रिंसिपल पर आरटीई (शिक्षा का अधिकार) अधिनियम के तहत प्रवेश पाने वाले दूसरी कक्षा के छात्र को कथित रूप से शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का मामला दर्ज किया गया है। बच्चे के पिता ने आरोप लगाया कि प्रिंसिपल प्रीति यादव उनके बेटे को आरटीई के जरिए प्रवेश देने से नाखुश थीं।

ब्लैडर कैंसर से भारत भी अछूता नहीं:डॉ.राकेश कपूर

मेदांता अस्पताल के स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने ब्लैडर कैंसर पर जानकारी की साझा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । ब्लैडर कैंसर पूरी दुनिया में एक आम कैंसर हो गया है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। इससे बचाव के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। यह बातें शुक्रवार को प्रेस वार्ता के दौरान मेदांता अस्पताल के डायरेक्टर डॉ.राकेश कपूर एवं यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी डॉ.अवनीश श्रीवास्तव साथ ही डॉ.मयंक मोहन अग्रवाल एसोसिएट डायरेक्टर यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन ने संयुक्त रूप से कही। डॉ. कपूर ने कहा कि हर ओपीडी में दो से तीन ब्लैंडर कैंसर के मरीज आ रहे है इसके उपचार के लिए देरी नहीं करना चाहिए चिकित्सक से परामर्श जरूर लेना चाहिए और होने वाली गंभीर बीमारी से बचाव होगा। उन्होंने कहा कि ब्लैडर कैंसर के उपचार के लिए अस्पताल में नवीनतम सुविधाएं और डॉक्टर उपलब्ध हैं। वहीं डॉ.अवनीश श्रीवास्तव ने कहा कि तंबाकू किसी भी रूप सेवन करने से ब्लैडर कैंसर होने का सबसे बड़ा कारण है। जिसमें धूम्रपान,एमाइन,रबर,चमड़ा,डाई उद्योग में कार्बन ब्लैक डस्ट के संपर्क में भी मूत्राशय कैंसर का प्रमुख कारण रहा है। डॉ.श्रीवास्तव ने कहा कि ब्लैडर कैंसर वाले मरीजों के मूत्र में रक्त आना,बार बार पेशाब करना ,गुलाबी रंग का मूत्र आने लगना ऐसी स्थिति में योग्य मूत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। इसी क्रम में डॉ.मयंक मोहन अग्रवाल ने कहा कि मूत्राशय के सबसे निचले परत तक सीमित ट्यूमर का इलाज एंडोस्कोपिक रूप में किया जाता है। इसकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए मूत्राशय में कीमोथेरेपी या इम्यूनोथेरेपी की जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे ट्यूमर के लिए जो मूत्राशय की परतों में गहराई से घुसपैठ कर चुका है या टीयूआरबीटी उपचार के बावजूद दोबार हो जाता है उनमें रेडिकल सर्जरी और कुछ रोगियों को विकिरण चिकित्सा की आवश्यकता हो सकती है। उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए पांच वर्षो तक फालोअप करने की जरूरत होती है।

नहर में मिला महिला का शव

अयोध्या। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के नरियावां में शारदा सहायक नहर में शुक्रवार सुबह एक महिला का शव उतराता हुआ मिला है। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। पुलिस ने शव निकाल कर कब्जे में ले लिया है। शुक्रवार की सुबह लगभग 8:00 बजे एक महिला का शव शारदा सहायक बड़ी नहर नरियावां के पास देखा गया। थानाध्यक्ष रतन शर्मा ने बताया कि महिला की शिनाख्त भाग्य देवी निवासी मखदुमनगर कोतवाली रुदौली के रूप में हुई है। बताया कि महिला इलाज के लिए तीन दिन पहले अपनी बहन उसरू अमौना के यहां आई थी। जिसका मकान नहर के करीब है। टहलते घूमते वह बड़ी नहर के करीब पहुंच गई और उसी में गिर पड़ी। दो दिनों से परिवारीजन तलाश कर रहे थे। कोतवाली नगर में गुमशुदगी का केस भी दर्ज कराया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मिर्गी का दौरा पड़ने से तालाब में डूबा युवकः मौत

मलिहाबाद,लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में गुरुवार साम तालाब के निकट एक युवक को मिर्गी का दौरा पड़ गया जिससे वह पानी में डूब गया। परिजनों ने जीवित समझकर इलाज के लिए युवक को निजी अस्पताल ले गए लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रहीमाबाद के रुसेना गांव निवासी इस्तियाक का तेइस वर्षीय बड़ा बेटा निहाल अपनी भैंस चराने गांव से कुछ दूर तालाब के किनारे गुरुवार साम को गया था। निहाल जब काफी देर तक घर नहीं लौटा तो उसकी मां सहिजहां उसे बुलाने तालाब तरफ गई जहां वह पानी में पड़ा मिला। यह देख वह जोर जोर से चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर कई लोग तालाब पर पहुंच गए। आनन फानन युवक को परिजन ग्रामीणों की मदत से रहीमाबाद के दो अलग अलग निजी अस्पतालों में इलाज के लिए ले गए लेकिन डाक्टरों ने निहाल को मृत घोषित कर दिया। पूछताछ में परिजनों ने बताया की निहाल को मिर्गी के दौरे कभी कभी पड़ते थे। निहाल को तालाब के किनारे मिर्गी का दौरा पड़ा जिसकी वजह से वह पानी में डूब गया।

तहसीलदार बोली, राजस्व विभाग की टीम भेजकर कराई जाएगी जांच,खनन माफियाओं पर होगी कार्रवाई

हरपालपुर,हरदोई। थाना क्षेत्र में गेहूं की कटाई के बाद खेत जैसे ही खाली होते हैं। वैसे ही मिट्टी खनन माफिया सक्रिय हो जाते हैं और स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से चलते बड़े पैमाने पर क्षेत्र में खनन का काला कारोबार जोर से होने लगता है। बिना अनुमति के किए जा रहे खनन से राजस्व विभाग को भी चूना लग रहा है। हरपालपुर थाना क्षेत्र के महितापुर, सिमरिया, जुगापुरवा, चाऊपुर, लमकन,पलिया ललुआमऊ, बरनई समेत 1 दर्जन से अधिक गांव में बड़े पैमाने पर खनन माफियाओं के द्वारा खनन का काला कारोबार किया जा रहा है। वहीं राजस्व विभाग की टीम ने सिमरिया गांव में जाकर खनन करने वाले स्थान को चिन्हित कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी है। यहां तक कि ग्रामीणों के द्वारा कई बार स्थानीय पुलिस को खनन के बारे में सूचना दी गई। लेकिन पुलिस ने कार्यवाही करने की कोशिश नहीं की। वही क्षेत्र में हो रहे बड़े पैमाने पर खनन की सूचना खनन विभाग के अधिकारियों को मिली तो हरपालपुर क्षेत्र में खनन विभाग के अधिकारी आते ही खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। अपनी–अपनी आधुनिक मशीनें लेकर रफूचक्कर होते दिखे। नियमावली की बात की जाए तो खनन करने के लिए उप जिला अधिकारी एवं खनन अधिकारी की अनुमति लेने की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन यहां तो हो स्थानीय पुलिस ने खनन माफियाओं पर रहमो करम कर रही है। जो कि उन्हें किसी भी की अनुमति लेने की जरूरत नहीं पड़ती है। सूत्रों की माने तो जब क्षेत्र में खनन माफियाओं के द्वारा अवैध रूप से खनन किया जाता है तो वह पुलिस को भी उसका हिस्सा पहुंचा देते हैं।

वही जब ग्रामीणों के द्वारा अवैध रूप से हो रहे खनन की सूचना पुलिस को दी जाती है तो पुलिस खुद खनन माफियाओं को सूचित कर देती है। जिसे कहीं ना कहीं पुलिस की संलिप्तता सामने आ रही है। वही सवायजपुर की तहसीलदार अरुणिमा श्रीवास्तव से जब इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने बताया है कि राजस्व कर्मियों को मौके पर भेजकर जांच कराई जाएगी जो भी दोषी पाया जाएगा। उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

महिला बैंक कर्मी से पर्स लूट,छीना–झपटी में महिला और उसके पिता स्कूटी से गिरकर हुए घायल

कानपुर। शहर के कल्याणपुर में गुरुवार देर रात बाइक सवार लुटेरों ने स्कूटी पर पीछे बैठी बैंक कर्मी का झपट्ट्टा मारकर पर्स लूट लिया। इससे अनियंत्रित होकर बैंक कर्मी और स्कूटी चला रहे उनके पिता चुटहिल हो गए। उन्होंने पुलिस को सूचना देने के साथ ही कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। पुलिस लुटेरों की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। कल्याणपुर सत्यम विहार निवासी जेएस श्रीवास्तव गुरुवार रात एक बजे आईआईटी परिसर में रहने वाली अपनी बेटी रिचा के साथ स्कूटी से घर जा रहे थे। कल्याणपुर थाने से पहले बगिया क्रॉसिंग रोड पर पहुंचे थे। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार लुटेरों ने झपट्टा मारकर पर्स छीन लिया। छीना–झपटी के दौरान स्कूटी अनियंत्रित हो गई और पिता–पुत्री सड़क पर गिरकर चुटहिल हो गए। जबकि बाइक सवार लुटेरे पर्स लूटकर भाग निकले। रिचा ने बताया कि वह बैंक कर्मी हैं। उनके पर्स में 10 हजार रुपए कैश, मोबाइल समेत अन्य दस्तावेज रखे थे। सूचना पर पीआरवी और कल्याणपुर पुलिस मौके पर जांच करने पहुंची, लेकिन लुटेरों का कोई सुराग नहीं मिला। कल्याणपुर थाना प्रभारी देवेंद्र दुबे ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से लुटेरों की तलाश की जा रही है। महिला तहरीर की आधार पर लूट की एफआईआर दर्ज की जाएगी।

जीआईसी में बने मतगणना स्थल का निरीक्षण करते डीएम नितीश कुमार व अन्य

अयोध्या। जनपद मुख्यालय राजकीय इंटर कालेज में 13 मई को मतगणना 8 बजे से प्रारम्भ होगी। इसी प्रकार जनपद में अन्य स्थानों यथा हिन्दू इंटर कालेज रूदौली, आर0डी0 इंटर कालेज सोहावल, राजकीय आश्रम पद्वति विद्यालय मुगीशपुर तहसील मिल्कीपुर तथा तहसील सभागार में नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत की मतगणना होगी। पत्रकारों की सुविधा के लिए जिलाधिकारीध्जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार के निर्देशन में मतगणना स्थल पर मीडिया सेन्टर बनाया गया है और इसके लिए पास जारी किया गया है, इस पास के द्वारा वे केवल मीडिया सेन्टर तक ही जायेंगे और वहां से कवेरज करेंगे। इसमें जिला स्तर पर और तहसील स्तर पर के लिए भी पास जारी किया गया है। उपजिला निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह एवं उपनिदेशक सूचना डा. मुरलीधर सिंह ने बताया कि प्रत्येक राउण्ड की जानकारी मीडिया चौनल के माध्यम से प्रसारित होती रहेगी तथा इसका लाउड स्पीकर व साउण्ड सिस्टम के द्वारा समय–समय पर एनान्उसमेंट भी किया जायेगा। मीडिया कर्मी मीडिया सेन्टर से जानकारी प्राप्त करेंगे तथा पासधारक मीडिया कर्मी मतगणना स्थल पर पहुंचेंगे। हमारे इसमें मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारी मीडिया का सहयोग करेंगे तथा सूचना विभाग के अधिकारी, कर्मचारी प्रवेश द्वार पर उपस्थित रहेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार व प्रेक्षक (नगरीय निकाय चुनाव) अरूण प्रकाश ने नगर निगम अयोध्या एवं नगर पंचायत गोशाईगंज के मतगणना स्थल राजकीय इंटर कालेज अयोध्या का निरीक्षण किया। अधिकारीद्वय ने सभी तैयारियों का जायजा लिया तथा स्थल पर उपस्थित उप जिला निर्वाचन अधिकारीध्अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह को सभी तैयारियों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि मतगणना कार्य प्रातः 08:00 बजे से प्रारम्भ किया जायेगा। मतगणना कार्य में लगने वाले अधिकारीध्कर्मचारी एक घंटा पूर्व मतगणना स्थल पर पहुंच जायेगें जिससे समय से मतगणना का कार्य प्रारम्भ हो सके। उन्होंने बताया कि सभी मजिस्ट्रेटों द्वारा मतगणना स्थल पर शांति व्यवस्था व मतगणना से संबंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जायेगा। मतगणना कर्मियों को मतगणना 13 मई 2023 को मतगणना स्थल पर एक घंटे पूर्व रैण्डम आधार पर मतगणना टेबुल आवंटित की जायेगी। प्रत्येक मतगणना कक्ष में मतगणना प्रारम्भ होने से लेकर मतगणना समाप्त होने तक मतगणना कार्य की सी0सी0टी0वी0 से निगरानी एवं वीडियोग्राफी भी करायी जायेगी। उन्होंने आगे बताया कि प्रत्येक रिटर्निंग अधिकारीध्सहायक रिटर्निंग अधिकारी अपने निकायध्वार्ड की पूरी मतगणना प्रक्रिया पर कढ़ाई से नजर रखेगें।

एक बार फिर सीबीएसई बोर्ड में छात्राओं ने मनवाया लोहा

लखनऊ पब्लिक स्कूल के हाईस्कूल की जान्हवी पाण्ंडेय ने 97 प्रतिशत अंक पाकर जिला विद्यालय टाप

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सीतापुर। सीबीएसई बोर्ड हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का परिणाम शुक्रवार को घोषित हुआ। परिणाम के निकलने के बाद छात्र–छात्राओं में उत्साह छा गया। जनपद में फिर से विद्या ज्ञान स्कूल के छात्र–छात्राओं ने इंटर एवं हाईस्कूल में उच्चतम अंक लाकर स्कूल का एवं जनपद का नाम रोशन किया है। विद्या ज्ञान के टाप टेन छात्र–छात्राओं के नाम इंटरमीडिएट की परीक्षा परिणाम में इंटरमीडिएट के विद्या ज्ञान स्कूल की प्रिया वर्मा, वैश्नवी को 97.20प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, रितिका गुप्ता को 97प्रतिशत के साथ दूसरा स्थान, सूपीरिया गुप्ता को 96.60प्रतिशत अंक के साथ तीसरा स्थान, रितेश कुमार को 96.40 प्रतिशत अंक के साथ चौथा स्थान, अंशिका रस्तोगी को 96 प्रतिशत अंक के साथ पांचवा स्थान, श्रृद्धा मौर्या व वेदिका मिश्रा को 95.60 प्रतिशत अंक के साथ छठा स्थान, अंतिम खेर व वंशिका सिंह को 95.40 प्रतिशत अंक के साथ सातवां स्थान, आकाश कुमार गुप्ता को 95.20 प्रतिशत अंक के साथ आठवां स्थान, पंकज सिंह व प्रिंश शुक्ला को 95 प्रतिशत अंक के साथ नौवां स्थान प्राप्त किया। वहीं लखनऊ पब्लिक स्कूल नवीन चौक में शुक्रवार का दिन बहुत ही खास रहा। नवीन चौक के पास एक मोहल्ले की निवासी अम्बरीश पांडेय की बेटी लखनऊ पब्लिक स्कूल की छात्रा जान्हवी पांडेय ने हाईस्कूल में 97 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय में टाप करते हुए जनपद का नाम रोशन किया। सीबीएसई बोर्ड के द्वारा अचानक ही हाईस्कूल व इंटर का रिजल्ट ाोषित कर दिया गया। छात्रों व अभिभावकों के चेहरे पर खुशी व उत्साह के भाव दिखाई दिए एवं विद्यालय में रौनक दिखाई दी। कक्षा 12 में सूर्राशं, सूयष, अदिति, आभा, आदर्श आदि बच्चों ने 90प्रतिश के ऊपर अंक प्राप्त कर अपने माता पिता व विद्यालय का नाम रौशन किया। वहीं कक्षा 10 में जान्हवीं, प्रज्ञा, सजल, शान्वी, वर्षच्व, आरूषी आदि बच्चों ने 90प्रतिश के ऊपर अंक प्राप्त किए। कालेज की प्रधानाचार्य नीलम सिंह ने सभी बच्चों शिक्षकों व अभिभावकों का मुंह मीठा कराकर बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की। लखनऊ पब्लिक स्कूल के मेधावी कुछ इस तरह है। इंटरमीडिएट के लखनऊ पब्लिक स्कूल की आभा मिश्रा ने 96.4, अदिति मिश्रा ने 95.2, हर्षुल वर्मा ने 95 प्रतिशत, अंश सोनी ने 94.8 प्रतिशत, सूर्यांश अवस्थी ने 94.6 प्रतिशत, शूयष गुप्ता ने 94.4 प्रतिशत, श्रीश राठौर ने 93.8 प्रतिशत, दृष्टि जैन ने 93.2प्रतिशत, उत्कर्ष सिंह ने 92.6 प्रतिशत, नमन गुप्ता ने 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं लखनऊ पब्लिक स्कूल के हाईस्कूल की जानवी पाण्ंडेय ने 97 प्रतिशत, आरूषी ने 96.8 प्रतिशत, प्रियावृत रतन शुकला ने 96.6 प्रतिशत, अवनीश मिश्रा ने 96.2 प्रतिशत, संस्कार मिश्रा, मान्या जैन ने 95.6 प्रतिशत, अनुभूति यादव ने 95.4 प्रतिशत, माही श्रीवास्तव, आर्यन वर्मा ने 95.2 प्रतिशत, दिव्या अग्रवाल ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किया।

लोहा कारोबारी की हत्या में पुलिस व क्राइम ब्रांच के हाथ खाली,नहीं मिला सुराग

कानपुर। शिव कटरा में बुधवार की देर शाम लोहा कारोबारी संजय गौड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बदमाश लूट के इरादे से उनकी दुकान में घुसे और विरोध होने पर गोली चला दी। हत्या के 50 घंटे बाद भी पुलिस इस मामले में खाली हाथ है। गांधीग्राम गोपाला अपार्टमेंट निवासी संजय गौड़ की शिवकटरा मोड़ के पास रामा आयरन ट्रेडर्स के नाम से दुकान है। बुधवार को रोजाना की तरह वह अपनी दुकान पर बैठे हुए थे और दिन भर के लेन देन का हिसाब किताब कर रहे थे। इसी दौरान शाम करीब साढ़े सात बजे अपाचे बाइक सवार तीन बदमाश उनके प्रतिष्ठान पर पहुंचे और लूटपाट शुरू कर दी।

लूटपाट का विरोध करने पर बदमाशों ने संजय गौड़ के सीने में गोली मार दी, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इस जघन्य वारदात के बाद एसीपी चकेरी अमरनाथ, डीसीपी क्राइम मनीष सोनकर,चकेरी थाना प्रभारी रत्नेश सिंह, कृष्णा नगर चौकी का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने मौके से 32 बोर का एक खोखा बरामद किया है। इस मामले में पुलिस को पड़ोस में स्थित एक अस्पताल से वारदात का सीसीटीवी फुटेज मिला था। मगर,अधिक दूरी होने की वजह से बदमाशों के चेहरे स्पष्ट नहीं हैं। हालांकि उनका हुलिया देखने को जरूर मिल रहा है। हत्या से आक्रोशित व्यापारियों की मांग है कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उन्हें फांसी की सजा मिले। इस पर पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड ने कहा कि यह घटना पुलिस के लिए चुनौती है,वह निश्चित तौर पर इसका जल्द से जल्द खुलासा करेगी। इसके लिए क्राइम ब्रांच की टीमें लगा दी गई हैं। साथ आसपास सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने मौके से कुछ साक्ष्य भी एकत्र किए हैं।

निकाय चुनाव में चला ये बड़ा दांव, भाजपा की योजना समझ नहीं पाए विपक्षी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मेरठ। मेरठ में नगर निगम में बड़ी वोट (मेयर) बचाने के लिए भाजपा ने रणनीति के तहत 20 से अधिक वार्डों में छोटी वोट (पार्षद) पर दांव खेला है। मेयर को वोट ट्रांसफर कराने के लिए भाजपाई बसपा प्रत्याशियों के बस्ते पर नजर आए। इसके अलावा निर्दलीय पार्षद प्रत्याशियों के साथ भी साठगांठ कर मेयर के लिए वोट भाजपा को ट्रांसफर कराने की रणनीति भी रही। इसी का नतीजा रहा कि जिन वार्डों में बसपा पार्षद प्रत्याशियों ने मजबूती से चुनाव लड़ा, वहां भाजपा के लिए मेयर की राह आसान हो गई। साथ ही जहां भाजपा के पार्षद प्रत्याशियों को निर्दयीय और गठबंधन के उम्मीदवारों ने सीधी टक्कर दी, वहां भी भाजपा मेयर के लिए राह आसान हो गई। जेल चुंगी और राजीव गांधी नगर क्षेत्र के वार्ड 16 में भाजपा से पार्षद प्रत्याशी डॉ. अनुराधा और निर्दलीय अनीता सागर ने चुनाव लड़ा। मतदाताओं का रुझान निर्दलीय उम्मीदवार अनीता सागर की तरफ दिखा। इसी तरह वार्ड 46 में भाजपा के हर्ष पाल के सामने दो निर्दलीय

राहुल चौधरी और ग्रीश चुनाव मैदान में मजबूत स्थिति में नजर आए। भाजपा का गढ़ माना जाने वाला न्यू हनुमानपुरी, विकास नगर, मोहनपुरी, शिवाजी नगर के वार्ड 44 में भी भाजपा प्रत्याशी उत्तम सैनी की निर्दलीय उम्मीदवार रोबिन नाथ गालू से सीधी टक्कर रही। बसपा सुशील सैनी और निर्दलीय मुकेश शर्मा भी शाम मतदान पूर्ण होने तक मजबूत स्थिति में रहे। कंकरखेड़ा में भी बदले समीकरण कंकरखेड़ा में पांच वार्डों में भाजपा को कहीं लोकदल तो कहीं बसपा ने सीधी टक्कर दी। विधानसभा और लोकसभा चुनाव की तुलना में पार्षद चुनाव में समीकरण पूरी तरह बदले नजर आए। वर्ष 2017 वार्ड 21 से बसपा से जीते पार्षद परमानंद ने इस बार वार्ड पांच से बसपा से चुनाव लड़ा। वार्ड 21 में उन्होंने अपनी रिश्तेदार को चुनाव मैदान में उतारा। वार्ड पांच में बसपा का मुकाबला इस बार भाजपा के राजकुमार वर्मा और सपा के कुक्कू से रहा। वार्ड 23 में पूर्व पार्षद रहे राजेश खन्ना ने अपनी पत्नी बबीता खन्ना को भाजपा ने वार्ड 21 में उतारा। इस वार्ड में भाजपा से पूर्व पार्षद रहे सेंसरपाल ने अपनी पत्नी प्रेमलता को लोकदल के टिकट पर चुनाव मैदान में उतारा। वार्ड 23 में सुभाषपुरी, गोविंदपुरी, जवाहरपुरी, बड़ा बाजार में भी वोटरों का रुझान इस बार पूरी तरह बदल गया। भाजपा जिला और मंडल के पदाधिकारियों का पूरा फोकस मेयर की वोटों पर रहा। ऐसे में निर्दलीय उम्मीदवार किशन वैद्य मजबूत स्थिति में सामने आए। हालांकि वार्ड नौ में लाला मोहम्मद कई निर्दलीय के खड़े होने के कारण भाजपा की पार्षद प्रत्याशी रेशमा सोनकर मतदान खत्म होने तक मजबूत स्थिति में रहीं। भाजपा के गढ़ में सेंधमारी वार्ड 40 में भाजपा की अर्चना सिंह को लोकदल के सुभाष जटौली ने सीधी टक्कर दी। यहां तक्षशिला पब्लिक स्कूल, नगर निगम कार्यालय और दांतल जटौली में पोलिंग बूथ बनाए गए। भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले श्रद्धापुरी में लोकदल के सुभाष जटौली मजबूत स्थिति में नजर आए। मतदाताओं का रुझान भी छोटी वोट पर लोकदल की तरफ रहा।

आरोपी प्रोफेसरों समेत कुलपति का छात्रों ने फूंका पुतला

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में तीनों आरोपियों के खिलाफ विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर आरोपियों के संरक्षिका कुलपति समेत तीनों आरोपियों का कुलपति दफ्तर पर पुतला फूंका गया। आज अनशन स्थल पर छात्रों कि एक आपात बैठक आहूत की गई बैठक में इकोनॉमिक्स विभाग की तीन आरोपी प्रोफेसरों के खिलाफ विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने पर चर्चा हुई। छात्र नेता अजय यादव सम्राट ने कहा यौन शोषण एससी एसटी एक्ट के आरोपी प्रोफेसरों के कुकृत्य से छात्रों में व्यापक आक्रोश है। आक्रोशित छात्रों ने शुक्रवार दोपहर मे छात्रसंघ भवन पर आरोपी प्रोफेसर मनमोहन कृष्णा, जावेद अख्तर, प्रहलाद कुमार, तथा इन तीनों आरोपियों के संरक्षिका इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति का पुतला लेकर इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर में भ्रमण किया गया। उसके बाद छात्रों ने कुलपति दफ्तर पर जाकर आरोपियों के संरक्षिका कुलपति समेत तीनों आरोपियों का पुतला फूंक कर विरोध दर्ज कराया गया।

जिलाधिकारी ने आरओ, एआरओ के साथ बैठक उनके दायित्वों की दी जानकारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कुशीनगर। जिला मुख्यालय स्थित जिला पंचायत सभागार में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन हेतु 13 मई 2023 मतगणना कार्य को सकुशल एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने मतगणना के संदर्भ में आरओ, एआरओ को सभी आवश्यक निर्देश दिए गए। इसी क्रम में आरओ व एआरओ को उनके कार्यों एवं दायित्वों के बारे में बताया गया। इसी क्रम में टेंडर वोट की काउंटिंग, एजेंट के द्वारा चौलेंज पर परीक्षण, संदिग्ध मतपत्र, प्रत्याशियों को बराबर मत मिल जाने पर उत्पन्न हुई स्थिति आदि के बारे में सभी आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा सभी उपस्थित अधिकारियों को मतगणना शांतिपूर्ण व सकुशल संपन्न कराए जाने हेतु चुनाव आयोग के सभी दिशानिर्देशों का पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि आंकड़ों के साथ किसी भी प्रकार की गलती न हो, गलत सूचना किसी भी अवस्था में जारी न हो, मतपत्रों की गणना उचित तरीके से की जाए। काउंटिंग एजेंट से आवश्यक रूप से हस्ताक्षर लिए जाए, शत प्रतिशत पारदर्शी पूर्ण तरीके से मतगणना संपन्न हो। चुनाव नतीजों के बाद विजयी प्रत्याशी को प्रमाण पत्र वितरण में सावधानियां बरती जाएं। डाटा फीडिंग समय व शुद्ध रूप में हो, सभी अधिकारी समय से मतगणना केंद्र पर पहुंचे। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी उपस्थित आरओध्एआरओ व अन्य अधिकारियों को मतगणना हेतु अपनाए जाने वाली सावधानियां, सतर्कता व चुनाव आयोग के निर्देशों के बारे में बताया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व देवीदयाल वर्मा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक उपमा पांडेय, परियोजना निदेशक जगदीश त्रिपाठी, डीसी मनरेगा राकेश कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिलाधिकारी व्यास नारायण व सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरे

पुलिस कमिश्नर और डीएम ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त रमित शर्मा एवं जिलाधिकारी,जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री ने मुण्डेरा मण्डी स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत सभी व्यवस्था चुस्त–दुरूस्त बनाये रखने के निर्देश दिये है। मतगणना निर्धारित समय पर शुरू होगी। नगर पंचायतों में मतगणना के लिए दो नगर पंचायतों पर एक ए0डी0एम स्तर के अधिकारी तैनात किए गये है। मतगणना स्थल पर प्रकाश, शौचालय, पेयजल की समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए है।

योगाभ्यास से होता है शरीर एवं मन स्वस्थः विनय कुमार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गए गांव मातादीन का पूरा, प्रयागराज स्थित नामवर इंटर कॉलेज के प्रांगण में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से योग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि योगाभ्यास से शरीर एवं मन स्वस्थ रहता है। योग ऐसी परिस्थितियों का निर्माण करता है जिससे हम सकारात्मक दिशा की ओर उन्मुख होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग के क्षेत्र में कैरियर से जुड़ी अपार संभावनाएं हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। कुलसचिव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, प्रतिभागियों तथा नामवर इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रबंधक के प्रति आभार व्यक्त किया। जागरूकता शिविर में योग प्रशिक्षक डॉ अमित कुमार सिंह ने योग के सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक दोनों स्वरूपों के बारे मे सविस्तार जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने योग की वर्तमान में उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के प्रारंभ में संयोजक डॉ ज्ञान प्रकाश यादव एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा, द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ मीरा पाल, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव, डॉ सत्येंद्र बाबू, डॉ अमरेंद्र कुमार यादव, सुश्री सौम्या तिवारी, पृथ्वी श्री मिश्रा, श्वेता सिंह, ओम बाबू शर्मा, चंद्रशेखर तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सीबीएसई बोर्ड प्रयागराज रीजन रहा सबसे फिसड्डी

प्रयागराज। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शुक्रवार को 12वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया। सीबीएसई के पूरे देश में 16 रीजनल आफिस हैं। प्रयागराज रीजन 16वें स्थान यानी सबसे निचले पायदान पर रहा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शुक्रवार को 12वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया। सीबीएसई के पूरे देश में 16 रीजनल आफिस हैं। प्रयागराज रीजन 16वें स्थान यानी सबसे निचले पायदान पर रहा। प्रयागराज रीजन के परीक्षा परिणाम इस बार भी निराशाजनक रहे। 12वीं के परिणामों में सुधार नहीं हो रहा है। यहां का रिजल्ट 78.5 प्रतिशत रहा। सबसे अधिक 99.91 प्रतिशत छात्र त्रिवेंद्रम जोन में पास हुए हैं जो पहले नंबर पर है। इसके अलावा देहरादून रीजन का भी उत्तीर्ण प्रतिशत प्रयागराज से काफी बेहतर 80.26 प्रतिशत है।

सपा नेताओं ने प्रेक्षक से मिलकर दिया ज्ञापन

प्रयागराज। नगर निगम चुनाव की मतगणना को पारदर्शी एवं भयमुक्त कराये जाने की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता एवं पदाधिकारी आज सर्किट हॉउस मे प्रेक्षक से मिले। प्रत्येक राउंड की मतगणना के बाद रिपोर्ट सीट पर प्रत्याशी अथवा उनके एजेंट से हस्ताक्षर कराये जाने, आर ओ टेबल पर एजेंट को कैलकुलेटर का इस्तेमाल करने, पीने के पानी की बोतल साथ मे ले जाने, मतगणना परिसर मे सत्ता दल के मंत्री, सांसद, विधायक, नेता आदि के न प्रवेश करने, मतगणना की जानकारी लाउड स्पीकर से प्रसारित करने एवं फ्लैक्स बोर्ड पर लिखें जाने, स्थानीय थानो की पुलिस की बजाय केंद्रीय फोर्स तैनात किये जाने आदि मांगो को लेकर 11सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर वरिष्ठ नेता के. के. श्रीवास्तव, मेयर प्रत्याशी अजय कुमार श्रीवास्तव , महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, यमुनापार पप्पू लाल निषाद, रमाकांत शर्मा, रविन्द्र यादव एडवोकेट, राम सुमेर पाल, दान बहादुर मधुर, लल्लन सिंह पटेल, राकेश यादव एडवोकेट, पूर्व पार्षद नितिन यादव, सचिन श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

डीद्व पीद्व पब्लिक स्कूल : 12 वीं के परीक्षा परिणाम में फिर चमके मेधावी छात्र

प्रयागराज। सी. बी. एस. ई. की शैक्षणिक वर्ष 2022 23 की इस वर्ष आयोजित हुई 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों की घोषणा दिनांक 12.05.2023 को कर दी गई। जिसमें डी० पी० पब्लिक स्कूल के मेधावी छात्रों ने अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। इस क्रम में सर्वाधिक अंकों के मामले में मंजरी यादव 95.6 प्रतिशत के साथ नंबर वन पर रही। दूसरे स्थान पर सृष्टि आर्या 94.4 प्रतिशत पर रही। महिमा सिंह और वसुन्धरा यादव 94.2 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रही। वर्षा श्रीवास्तव 93.8 प्रतिशत, कृष्लय गुप्ता 93.80, ऋत्विक शाही 93.00 प्रतिशत, साक्षी आर्या 92.8 प्रतिशत, आस्था दीप 92.2 प्रतिशत, रिया भारती 92.00 प्रतिशत, मो0 अरमान 91.6 प्रतिशत, रोहित कुमार मिश्रा 91.00 प्रतिशत, आकांक्षा यादव 90.80 प्रतिशत, और मयंक साहू 90.0 प्रतिशत आदि सभी छात्रों ने भी अच्छे अंक प्राप्त किये । विद्यालय के प्रबंधक अंकुर अग्रवाल और प्रधानाचार्या श्रीमती श्रुति अग्रवाल ने छात्रों को इनके शानदार प्रदर्शन हेतु हार्दिक बधाई दी एवं छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विद्यालय में खुशी का माहौल बना रहा।

वैश्विक स्तर पर प्रासंगिकता हुआ नर्सिंग का योगदान– डा0 संजय सिंह

शारदा नारायन हास्पिटल में कटा केक, चिकित्सकों ने किया विमर्श

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मऊ। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर शारदा नारायन हास्पिटल में नर्सों के बीच वरिष्ठ चिकित्सकों ने केक काटकर उत्साहपूर्वक इसे मनाया। इसके साथ ही विमर्श के दौरान नर्सिंग सेवा के इतिहास एवं उसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की गई। संस्थान निदेशक, प्रसिद्व हृदय रोग विशेषज्ञ डा संजय सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना लाखों लोगों की जीवन रक्षा करने वाली नर्सों के योगदान को चहुंओर सराहा गया। द्वितीय विश्व युद्व के दौरान निरंतर सेवा के कारण ही नर्सिंग का उदय हुआ। आधुनिक चिकित्सा के बीच नर्सिंग प्रोफेशन बेहतर हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नर्सों के योगदान

को याद करने और उन्हें सम्मान देने के लिए हर साल 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है। यह दिन मॉडर्न नर्सिंग की जन्मदाता फ्लोरेंस नाइटिंगेल के सम्मान में उनकी जयंती पर सेलिब्रेट किया जाता है। नर्स दिवस हमारे समाज और हेल्थकेयर इंडस्ट्री में नर्सों के महत्वूर्ण रोल को याद करने के लिए मनाया जाता है। यह दिन दुनियाभर में नर्सों को सम्मान देने के महत्व पर जोर देता है और लोगों को इन बहादुर व मेहनती पेशेवरों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

लाल–यह रंग नहीं यह जीवन हैः डॉ. सुबोध जैन

प्रयागराज। 14 मई 2023 दिन रविवार मातृ दिवस (मदर्स डे) के अवसर पर इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन की तरफ से बृहद रक्तदान शिविर का आयेजन ए०एम०ए०सी०सी० (निकट पुलिस लाइन) पर सुबह 08 बजे से रात्रि 08 बजे तक आयोजन किया गया है। जिसका विषय है लाल – ये रंग नहीं ये जीवन है और माताओं के समर्पित हैं। यह बातें इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर सुबोध जैन ने प्रेस वार्ता में कहीं।

उन्होंने कहा कि एक बोतल रक्तदान कर तीन जिन्दगिया बचायी जा सकती हैं। इस बृहद रक्तदान कार्यक्रम का उद्घाटन आई०एम०ए० के भूतपूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं चेयरमैन ए०एम०ए० ब्लडबैंक डॉ० अशोक अग्रवाल, अध्यक्ष इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन डॉ० सुबोध जैन के कर कमलो द्वारा सुबह 09 बजे किया जायेगा।

दिव्यांग बच्चों के लिए समर कैंप की शुरुआत

प्रयागराज। भाविनी वेलफेयर सोसाइटी के अंतर्गत संचालित भाविनी डे केयर तत्वाधान में स्पेशल बच्चों के लिए समर कैंप का शुभारंभ गुरुवार को प्रयागराज में किया गया। समर कैंप का उद्घाटन महामंडलेश्वर किन्नर अखाड़ा मां कल्याणी और वैष्णवी माता द्वारा फीता काटकर किया गया। मां कल्याणी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर स्नेह लता सिंह नीता भारद्वाज श्वेता साहू भी उपस्थित रहे। संस्था की सचिव पूनम सिंह द्वारा महामंडलेश्वर का स्वागत उद्बोधन किया गयास स्पेशल बच्चों द्वारा गीत भजन नृत्य द्वारा सभी अभिभावकों एवं मुख्य अतिथि का और विशिष्ट अतिथियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर कल्याणी मां द्वारा सभी बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किए गए। महामंडलेश्वर द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चे संचिता, माही साहिल कृष्णा भारती आमोस भटनागर, पुष्पीका पांडे एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम तैयार करने वाली विशेष अध्यापिका सुनीता मिश्रा को 500 सभी को पुरस्कार रूप में प्रदान किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कार्यक्रम का संचालन रुचि राय एवं सोनल श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अभिभावकों में रितु, अर्चिता अरोरा, मीनाक्षी सिंह, किरण उपाध्याय, मंजुला,विशेष अध्यापिका मैं सुनीता मिश्रा, प्रीति श्रीवास्तव, सरिता पाल, शीलू सोनकर कृष्णा चौधरी, हर्षवर्धन सिंह का विशेष योगदान रहा। संस्था की सचिव पूनम सिंह द्वारा बताया गया कि यह समर कैंप 11 मई से 29 मई तक चलाया जाएगा। इस समर कैंप समापन 30 मई को किया जाएगा।

सेवा ही धर्म हैः गणेश केसरवानी

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा तीर्थराज प्रयाग के पावन क्षेत्र में निशुल्क प्याऊ केंद्र का भव्य उद्घाटन भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा तीर्थराज प्रयाग में बाहर से आए हुए श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रियों को तथा क्षेत्र की जनता को निशुल्क प्याऊ केंद्र शुरू होने से सब को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति हमेशा सेवा को ही सर्वोपरि धर्म माना है इसलिए वास्तव में सेवा ही धर्म है और इस धर्म का निर्वहन हर भारतीय को निभाना चाहिए।

कार्यक्रम संयोजक माघ मेला प्राधिकरण सलाहकार समिति के सदस्य राजेश पाठक ने प्रयागराज सराहना की और कहा गणेश केसरवानी एक सच्चे समाज सेवक है और लोगों से इन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि प्याऊ का उद्घाटन हाईवे तीर्थ यात्रियों को गुड़ के साथ पानी पिलाकर उद्घाटन किया गया।

मोटर वाहन संशोधन अधिनियम –2019 के प्रभावी प्रवर्तन पर हित धारक कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। आज कंज्यूमर गिल्ड, उत्तर प्रदेश, कंज्यूमर वॉयस, नयी दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरुकता व मोटर वाहन संशोधन अधिनियम 2019 के प्रभावी प्रवर्तन विषय एक हितधारक कार्यशाला का आयोजन डिवाइन पब्लिक स्कूल में किया गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से जय प्रकाश सिंह, मुख्य अतिथि सीओ ट्रैफिक, गोरखपुर, विजय किशोर आनंद पीटीओ, परिवहन विभाग, धर्मेंद्र कुमार सिंह, ट्रैफिक इंस्पेक्टर, रामवृक्ष यादव, ट्रैफिक सब– इंस्पेक्टर, अमरजीत सिंह, कंज्यूमर वॉयस, नयी दिल्ली, अभिषेक श्रीवास्तव, अध्यक्ष कंज्यूमर गिल्ड उत्तर प्रदेश, सुजॉय विश्वास, प्राचार्य डिवाइन पब्लिक स्कूल, परिवहन मित्र, संजय श्रीवास्तव तथा भारी संख्या में डिवाइन पब्लिक स्कूल के छात्र– छात्राओं शिक्षकों, सामाजिक व गैर सरकारी संगठनों, उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला में सड़क सुरक्षा में मोटरवाहन संशोधन अधिनियम– 2019 के प्रभावी प्रवर्तन व सड़क सुरक्षा संबंधी प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई, तथा सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों में कम से कम 50 प्रतिशत तक की कमी लाने के लक्ष्य में सभी हित धारकों की भूमिका व समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया तथा सभी से यातायात नियमों के पालन की अपील की गई।

इस अवसर पर विजय किशोर पीटीओ द्वारा बताया गया कि परिवहन विभाग द्वारा रोड सेफ्टी सेल के माध्यम से सड़क सुरक्षा में जन सहभागिता हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है एवं मोटर वाहन संशोधन अधिनियम 2019 का प्रभावी क्रियान्वन हो सके उसमें जनता का सहयोग अति आवश्यक है। उत्तर प्रदेश सरकार तथा परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा संबंधी काफी महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे है, तथा सड़क सुरक्षा ऐसे माह के अंतर्गत जागरुकता कार्यक्रम सड़क हादसे कैसे कम किए जाए इस पर चिंतन करने का एक अवसर है। कार्यक्रम के अंत मे मुख्य आयोजक अभिषेक श्रीवास्तव, अध्यक्ष कंज्यूमर गिल्ड, द्वारा अंत में धन्यवाद किया गया।

सीबीएसई बोर्ड की हाईस्कूल व इण्टर परीक्षा परिणाम में छात्र–छात्राओं ने लहराया परचम

प्रतापगढ़। सीबीएसई बोर्ड की इण्टरमीडिएट परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित हुआ। परिणाम में उत्तीर्ण होने की जानकारी होते ही छात्र छात्राओं मे खुशी छा गयी। लालगंज अर्न्तगत पं. नागेशदत्त पब्लिक स्कूल अझारा में सीबीएसई बोर्ड की इण्टरमीडिएट परीक्षा में छात्र छात्राओं की सफलता पर शिक्षकों में भी खुशी का माहौल बना देखा गया। इस विद्यालय की छात्रा आकांक्षा शुक्ला ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके साथ ही हर्षित मोदनवाल ने 90.6 प्रतिशत, अभिषेक वर्मा 90.4 प्रतिशत, शिवम वर्मा 90.4 प्रतिशत, आयुषी शुक्ला 90.2 प्रतिशत, उदित सिंह 90.2 प्रतिशत, आर्यन मिश्र 90 प्रतिशत, आदर्श श्रीवास्तव 89.8 प्रतिशत, शिवा द्विवेदी 88.8 प्रतिशत व सौरभ यादव ने 88.4 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में प्रथम दस में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों मे अपना स्थान बनाया। वहीं इस विद्यालय के हाईस्कूल के परीक्षा परिणाम में श्रेयांश गिरि ने 99 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान बनाया है। इसके साथ ही रिया मौर्या, राज केसरवानी, सुमन श्रीवास्तव, कीर्ति, अथर्व सिंह, रिचल यादव, साक्षी त्रिपाठी, अनुराग वर्मा, सिद्धार्थ सिंह ने नब्बे प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर विद्यालय के टॉप टेन मे अपना स्थान बनाया है। छात्र छात्राओं की सफलता पर प्रबंधक सुनीता मिश्रा, प्रकाशचंद्र मिश्र, रीमा मिश्रा, गौरव मिश्र, प्रधानाचार्य एसएन त्रिपाठी समेत शिक्षकों व कर्मचारियों ने खुशी जतायी है। वहीं आइन्सटीन पब्लिक स्कूल धधुआ गाजन के छात्र छात्राओं ने भी सीबीएसई बोर्ड की इण्टरमीडिएट परीक्षा में अव्वल आकर स्कूल का मान बढ़ाया है। विद्यालय के छात्र अर्पित सिंह ने 94.2 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय मे प्रथम स्थान बनाया है। वहीं विद्यालय की छात्रा तान्या मिश्रा को 93.8 प्रतिशत, तनिष्का ओझा को 93.6 प्रतिशत, सहस्त्रा यादव को 92.6 प्रतिशत, अंकुश कनौजिया को 87.6 प्रतिशत, शालू सिंह 87.6 प्रतिशत, स्नेहा वर्मा 87.2, प्रथमेश गुप्ता 86.8, जसवीर सिंह 86.2 व शिवानी ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय के प्रथम दस मेधावियों मे स्थान बनाया है। वहीं सीबीएसई बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा में आइन्सटीन स्कूल के बिटठल शुक्ल ने 95.8 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल मे प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही साम्भवी गुप्ता, सृष्टि सिंह, प्रखर त्रिपाठी, अंशू विश्वकर्मा, आदर्श मौर्य, शिवम, अदिति सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह व शुभ त्रिपाठी ने नब्बे प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर स्कूल के टॉप टेन मेधावियों मे अपना स्थान बनाया है। छात्र छात्राओं की सफलता पर विद्यालय की निदेशिका श्रुति शुक्ला, संरक्षक विभवभूषण शुक्ल, प्रधानाचार्य मनोज ओझा, राकेश पाल त्रिपाठी, महेन्द्र पाठक, आशुतोष पाण्डेय, योगेन्द्र शुक्ल आदि ने खुशी जतायी है। इधर ईशान पब्लिक स्कूल शुकुलपुर सांगीपुर के बच्चों हिमांशु वर्मा, मान सिंह, शिवांशी वैश्य, दीपिका मिश्रा, मो. परवेज ने परीक्षा मे अव्वल अंक हासिल कर स्कूल का मान बढ़ाया है।

चुनाव बाद जीत–हार की गणित शुरू

- आधा दर्जन प्रत्याशियों ने मान ली पराजय
- भाजपा प्रत्याशी से सभी मान रहे अपनी टक्कर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

चित्रकूट। नगर निकाय अध्यक्ष व सदस्य पदों के चुनाव सम्पन्न होने पर जीत–हार की गणित जगह–जगह शुरू है। मानिकपुर, राजापुर व मऊ नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर किसी राजनीतिक दल के जादू चलने के जहां आसार नहीं दिख रहे, वहीं कर्वी नगर पालिका अध्यक्ष पद में भाजपा का जादू चलने का कयास लोग लगा रहे हैं। एकाध प्रत्याशी तो अपनी पराजय सार्वजनिक तौर पर स्वीकार करने लगे हैं। नगर निकाय चुनाव सम्पन्न हो गये हैं। 13 मई को कर्वी की मतगणना चित्रकूट इण्टर कालेज कर्वी में तो राजापुर नगर पंचायत व मानिकपुर नगर पंचायत तथा मऊ नगर पंचायत की मतगणना तहसील मुख्यालय पर होगी। अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों के बीच जीत–हार की गणित समर्थक उतनी तेजी से नहीं लगा रहे, जितनी कि सदस्य पद के प्रत्याशी लगाने में जुटे हैं। कर्वी नगर पालिका

परिषद के अध्यक्ष पद को 11 प्रत्याशी मैदान में रहे हैं। इस बार सभी राजनैतिक दलों ने अपने चुनाव चिन्ह से अध्यक्षों व सदस्यों को चुनाव लड़ाया है। सपा से इस बार चुनावी समर में महज एक प्रत्याशी ही चुनावी समर में रहा है, जबकि भाजपा से बागी होकर निशी सोनी ने चुनाव लड़ा है। इस बार नगर पालिका परिषद कर्वी में आम आदमी पार्टी ने प्रमोद सोनी को चुनाव में उतारा है। सपा में कोई बागी प्रत्याशी न होने का सपा को बड़ा लाभ मिलने की बात से कोई इंकार नहीं कर रहा है। जीत–हार की गणित में जुटे लोगों का मानना है कि इस बार के चुनाव में सपा का जादू चलने के आसार दिख रहे हैं, लेकिन भाजपा सपा को कडी टक्कर देती नजर आ रही है। निशी सोनी व प्रमोद सोनी मैदान में न उतरते तो भाजपा की नइया पार होने में किसी को संदेह नहीं था। सदस्य पदों की भी यही स्थिति होगी। भाजपा–सपा प्रत्याशी के जीतने की चर्चा में लोग खासे मशगूल हैं।

रेलवे और प्रशासन की अदूरदर्शिता से स्कूली बच्चे और व्यापारी बेहाल

प्रयागराज। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं अखिल भारतीय महिला मंडल की आवश्यक बैठक मुट्ठीगंज कार्यालय में संपन्न हुई। जिला अध्यक्ष लालू मित्तल ने निरंजन पुल के नीचे वाली सड़क पर आवागमन बंद किए जाने को रेलवे और प्रशासन की बहुत बड़ी विफलता और अदूरदर्शिता बताया और घोर आश्चर्य और असंतोष व्यक्त करते हुए इसे भयंकर लापरवाही, गैर जिम्मेदार कृत करार दिया। मित्तल ने कहा कि जब रेलवे को ओवर ब्रिज बनाना था तो इसके लिए पहले से प्लानिंग करके, योजनाबद्ध तरीके से भीषण उत्पन्न होने वाली समस्या का उपाय करने के बाद ही आवागमन बंद करना चाहिए। क्या जिला प्रशासन को इस बात का अंदेशा नहीं था की स्कूल की छुट्टी के समय छोटे–छोटे बच्चे भयंकर जाम में फस कर रोने लगेंगे ? क्या मार्ग बंद से प्रभावित व्यापारी 100 दिन अपना व्यापार बंद करके किस प्रकार से अपने परिवार का भरण पोषण करेगा। शहर का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग जिस पर नगर का ना केवल व्यापार बल्कि स्कूल कॉलेज आश्रित है, उसको अचानक बंद कर देने से ना केवल यातायात व्यवस्था चरमरा गई बल्कि व्यापार भी बदहाली के कगार पर पहुंच गया। अभी तो केवल 3 दिन हुए हैं और व्यापारियों के समक्ष रोजी रोटी विकट समस्या उत्पन्न हो गई ,100 दिन में व्यापारी का क्या हाल होगा? इसका अंदाजा लगाया जा सकता। महिला जिला प्रभारी रत्ना जयसवाल ने अधिकारियों को कोसते हुए तत्काल इसका समाधान निकालने की अपील की, उपाध्यक्ष श्वेता मित्तल ने रेलवे के उच्च अधिकारियों और रेल मंत्री से अपील की है कि जब तक निरंजन पुल बंद है तब तक रामबाग रेलवे क्रॉसिंग की नीचे की सड़क खोल दी जाए जो कि उनके अधिकार क्षेत्र में है।

अंत में लालू मित्तल ने रेलवे पर अनाप–शनाप मद मे करोड़ों रुपए बर्बाद करने का आरोप लगाया कि कैसे अदूरदर्शिता के कारण नया बना हुआ स्काईवॉक तोड़ा जा रहा है। बैठक में कमलेश यादव, राम जी जैन, मीनू गुप्ता, कविता जयसवाल, सुनीता केसरवानी, अर्चना मौर्या आदि लोग उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–
स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक
स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)
मोबाइल नंबर 9450475366
Email
prayagdarpan@gmail.com
R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।